लखनऊ
शुक्रवार, 14 फरवरी, 2025
वर्ष : 10 । अंक: 213
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

हारना सबसे बड़ी असफलता नही है हारने के बाद प्रयास छोड़ देना हमारी हमारी सबसे बड़ी असफलता है।

TODAY WEATHER

DAY 24° Hi
NIGHT 10° Low

संक्षेप

अफगानिस्तान के समांगन प्रांत में कोयला खदान में विस्फोट, तीन खनिकों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के उत्तरी समांगन प्रांत में एक कोयला खदान में मीथेन गैस के विस्फोट के कारण तीन खनिकों की मौत हो गई। यह घटना दारा-ए-सूफी बाला जिले के एक कोयला खदान में हुई। सिन्हुआ ने प्रांतीय पुलिस के हवाले से बताया कि विस्फोट में तीन नाबालिग खनिकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर तीनों मृतकों के शव बरामद किए और उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया। यह घटना मंगलवार (12 फरवरी) को हुई। पुलिस के मुताबिक, खदान में मीथेन गैस का उच्चतम स्तर होने के कारण विस्फोट हुआ, जिससे यह हादसा हुआ। अफगानिस्तान में खनन कार्यों के दौरान ऐसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। विशेष रूप से खनन में आधुनिक उपकरणों की कमी और खनिकों की अकुशलता के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। देश के कई खनिक अवैध खनन के कारण भी जान गंवाते हैं। इससे पहले, 11 फरवरी को उत्तरी बदख्शां प्रांत में एक भूस्खलन ने दो स्वर्ण खनिकों की जान ले ली थी। 12 दिसंबर 2024 को अफगानिस्तान के समांगन प्रांत में एक कोयला खदान के मलबे में कई खनिक फंस गए थे। स्थानीय अधिकारियों ने खुद इसकी जानकारी दी थी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने प्रांतीय स्वास्थ्य निदेशक के हवाले से बताया था कि मलबे के नीचे 35 खनिकों के फंसे थे।

महाकुंभ मेले में बच्चों को बिछड़ने से बचाने के लिए भोपाल के इस परिवार ने लगाई अनोखी तरकीब

महाकुंभ नगर। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। माघी पूर्णिमा का स्नान खत्म होने के बाद भी भक्तों की भीड़ कम नहीं है। इस विशाल जनसमूह में कई लोग अपने परिजनों से बिछड़ते और फिर मिलते हैं। भीड़ में खोने की समस्या से बचने के लिए भोपाल से आए एक परिवार ने अनोखा तरीका अपनाया है। इस परिवार ने प्रयागराज आने से पहले अपने बच्चों के हाथों में मेहंदी से माता-पिता का फोन नंबर लिख दिया, ताकि अगर बच्चे मेले में बिछड़ जाएं, तो कोई भी व्यक्ति इस नंबर पर संपर्क कर उन्हें उनके परिवार से मिलवा सके। परिवार का कहना है कि उन्होंने पेन से नंबर लिखने के बजाय मेहंदी का इस्तेमाल इसलिए किया क्योंकि पेन की स्याही जल्दी मिट जाती है, जबकि मेहंदी का रंग कई दिनों तक बना रहता है। परिवार के एक सदस्य अजय सोनी ने बताया कि हम लोग रेलगाड़ी से आए। रेलगाड़ी में बहुत ज्यादा भीड़ थी। इसके अलावा यहां कुंभ में भी करोड़ों लोग स्नान कर चुके हैं। भीड़ में हमारे बच्चे सुरक्षित रहें और खोएं नहीं, इसलिए हम लोगों ने यह तरीका ढूंढा है। ताकि बच्चे सुरक्षित रहें। स्याही मिट जाती है। मेहंदी कई दिनों तक मिटेगी भी नहीं। ऐसे में इनके हाथ पर नंबर देखकर कोई न कोई हमें कॉल कर देगा। बता दें कि गुरुवार को महाकुंभ का 32वां दिन है और श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। माघी पूर्णिमा के स्नान के साथ, अब विश्व रिकॉर्ड बनाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। इस उद्देश्य के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम मौजूद है। मेला प्रशासन भी पूरी तरह से तैयार है। महाकुंभ (जो कि विश्व की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर है) में अब तक 48 करोड़ से ज्यादा लोगों ने स्नान किया है।

संसद में विपक्ष का हंगामा, लोकसभा में शाह ने संभाला मोर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट बृहस्पतिवार को लोकसभा के पटल पर रखी गई। हालांकि, विपक्षी सदस्यों का भारी हंगामा जारी रहा। समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा। साथ ही, उन्होंने समिति के समक्ष आए साक्ष्यों का रिकॉर्ड भी सदन में रखा। विपक्षी सदस्यों का आरोप है कि उनकी असहमति को रिपोर्ट के साथ संलग्न नहीं किया गया है। इसको लेकर अमित शाह ने भी एक बयान दिया।

अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से आग्रह किया कि वह विपक्ष की आपत्तियों को जोड़ सकते हैं और इस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के कुछ सदस्यों ने चिंता जताई है कि (वक्फ जेपीसी रिपोर्ट में) उनके विचारों को पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। मैं अपनी पार्टी की ओर से कहना चाहता हूं कि विपक्ष की चिंताओं को देखते हुए कुछ भी जोड़ा जा सकता है, मेरी पार्टी को कोई आपत्ति नहीं है।

उन्होंने कहा कि हमारे पास अपनी आपत्तियाँ प्रस्तुत करने के लिए बहुत ही कम समय था। अगर आप बैठकों के ब्योरे की जांच करेंगे तो पाएंगे कि क्लॉज दर क्लॉज पर कोई चर्चा नहीं हुई। हम सभी कई जेपीसी का हिस्सा रहे हैं, और क्लॉज दर क्लॉज चर्चा सबसे महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे नजरअंदाज कर दिया गया। चेयरमैन किसके प्रभाव में काम कर रहे हैं? इसके विरोध में आज हमने वॉकआउट किया।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने वक्फ बिल रिपोर्ट को बताया फर्जी, राज्यसभा सभापति से इसे जेपीसी को लौटाने का किया आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा एलओपी मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को वक्फ पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट को फर्जी बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से रिपोर्ट जेपीसी को लौटाने का भी आग्रह किया। खड़गे ने कहा कि हम ऐसी फर्जी रिपोर्ट को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि जेपीसी में विपक्षी सदस्यों के असहमति नोट को हटा दिया गया है। आरोपों पर ट्रेजरी बेंच ने भारी आपत्ति जताई। राज्यसभा में बोलते हुए खड़गे ने मांग की कि रिपोर्ट को वापस भेजा जाए और सभी

असहमतिपूर्ण राय को शामिल करने के बाद ही इसे दोबारा पेश किया जाए।

खड़गे ने कहा कि वक्फ बोर्ड पर जेपीसी की रिपोर्ट में कई सदस्यों की असहमति रिपोर्ट है। उन नोट्स को हटाना और हमारे विचारों पर बुलडोजर चलाना सही नहीं है। यह लोकतंत्र विरोधी है। मैं असहमति रिपोर्ट को हटाकर पेश की गई किसी भी रिपोर्ट की निंदा करता हूं। हम ऐसी फर्जी रिपोर्ट को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर रिपोर्ट में असहमति के विचार नहीं हैं, तो इसे वापस भेजा जाना चाहिए और फिर से पेश किया जाना चाहिए।

हंगामे के बीच राज्यसभा सभापति ने कहा कि जेपीसी रिपोर्ट से कोई असहमति नोट नहीं हटाया गया। तीखी बहस के दौरान केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने विपक्ष पर सदन को गुमराह करने और संसदीय कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। रिजिजू ने जोर देकर कहा, ₹विपक्ष को सदन को गुमराह नहीं करना चाहिए।₹ उन्होंने कहा कि मैंने विपक्ष द्वारा उठाई गई चिंताओं की जाँच की है। रिपोर्ट में कोई विलोपन या निष्कासन नहीं है। सब कुछ सदन के पटल पर है। ऐसा मुद्दा किस आधार पर उठाया जा सकता है? विपक्ष के सदस्य अनावश्यक मुद्दा बना रहे हैं, जो तथ्य नहीं है।

वक्फ बिल पर बोले ओवैसी, मुसलमानों से छीनने और बर्बाद करने के लिए लाया जा रहा

नई दिल्ली, एजेंसी। एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को 'असंवैधानिक' करार देते हुए संयुक्त समिति की रिपोर्ट का विरोध किया और कहा कि यह अनुच्छेद 15, 15 और 29 का गंभीर उल्लंघन है और इसे मुसलमानों से वक्फ छीनने और उसे नष्ट करने के लिए लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जेपीसी के सदस्यों ने जो कहा है उससे मैं सहमत हूं, यह वक्फ विधेयक न केवल असंवैधानिक है और अनुच्छेद 15, 15 और 29 का गंभीर उल्लंघन है, बल्कि मुसलमानों से वक्फ छीनने और उसे नष्ट करने के लिए लाया जा रहा है। हम इस बिल की निंदा करते हैं।

सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क ने कहा कि हमने अपने मुखिया अखिलेश यादव के नेतृत्व में इस बिल का विरोध किया क्योंकि यह बिल देश के हित में नहीं है। बीजेपी इसे थोपना चाहती है और मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने की राजनीति करना चाहती है। उन्होंने कहा कि जब वे इस पर चर्चा करेंगे तो हम फिर इसका विरोध करेंगे और अगर उन्होंने इसे किसी भी तरह से लागू करने की कोशिश की तो हम न्याय पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

सपा सांसद इकरा हसन ने कहा कि समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है और हमें समिति के सदस्यों से जानकारी मिली है कि समिति की कार्यवाही पक्षपातपूर्ण तरीके से आयोजित की गई थी। इनपुट स्वतंत्र रूप से नहीं लिए गए। हम बिल के खिलाफ हैं। यह असंवैधानिक और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के खिलाफ है। जेपीसी सदस्यों के कई असहमति वाले नोट्स को संपादित कर रिपोर्ट में डाला गया है। उनकी चिंताओं को शामिल नहीं किया गया है।

जया बच्चन ने खोया आपा, बीजेपी सांसद की इस बात पर बुरी तरह भड़कीं

नई दिल्ली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी की राज्यसभा सांसद जया बच्चन संसद में अपने तीखे भाषण को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं. बजट सत्र के आठवें दिन बजट पर बोलते हुए उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और वो बीजेपी सांसदों पर खूब भड़कीं। वो फिल्म इंडस्ट्री में दिहाड़ी पर काम करने वाले लोगों के बारे में बात कर रही थीं, तभी सत्ता पक्ष के टोकने पर वो भड़क गईं। जया बच्चन ने बजट में फिल्म इंडस्ट्री को कोई मदद नहीं दिए जाने का मुद्दा उठाया और कहा कि सरकार ने फिल्म इंडस्ट्री को पूरी तरह से नजरअंदाज किया है। इस इंडस्ट्री में कई गरीब लोग भी काम करते हैं जो दिहाड़ी पर काम करते हैं, मनोरंजन कर में कोई कमी नहीं होने से इन लोगों के लिए अपना गुजारा करना

काफी मुश्किल हो गया है। मैं वित्त मंत्री से अनुरोध करती हूं कि वो इस ओर ध्यान दें और इन्हें बचाने के लिए कुछ करें।

समाजवादी पार्टी (सपा) की राज्यसभा सदस्य जया बच्चन ने मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से फिल्म उद्योग को बचाने और इसे जीवित रखने में मदद के लिए कुछ प्रस्ताव लाने का आग्रह किया। राज्यसभा में केंद्रीय बजट 2025-26 पर चर्चा के दौरान अभिनेत्री एवं नेता जया बच्चन ने सरकार पर फिल्म उद्योग को खत्म करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दिहाड़ी मजदूरों का जीवित रहना मुश्किल हो गया है और सिंगल-स्क्रीन थिएटर बंद हो रहे हैं, लोग सिनेमा हॉल नहीं जा रहे हैं क्योंकि सब कुछ बहुत महंगा हो गया है। उन्होंने कहा, आपने एक उद्योग को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। पहले की सरकारें भी यही काम करती रहीं। लेकिन आज आप इसे अगले स्तर पर ले गए हैं। आपने फिल्म और मनोरंजन जगत को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है, क्योंकि आप उनका इस्तेमाल केवल अपने उद्देश्य के लिए करते हैं।

बच्चन ने उच्च सदन में कहा, आप क्या इस इंडस्ट्री को खत्म करना चाहते हैं? इससे बड़ा गलत काम आप नहीं कर सकते... यह एकमात्र इंडस्ट्री है जो पूरे विश्व को भारत से जोड़ता है। उन्होंने देश के दृश्य-श्रव्य उद्योग के लिए कुछ राहत की अपील की और आरोप लगाया कि सिनेमा को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, मैं अपने फिल्म उद्योग की ओर से बोल रही हूं और ऑडियो-विजुअल उद्योग की ओर से इस सदन से अनुरोध कर रही हूं कि कृपया उन्हें बख्श दीजिए। कृपया उन पर कुछ दया कीजिए।

दलाई लामा और संबित पात्रा को जेड श्रेणी की सुरक्षा, आईबी की रिपोर्ट के बाद गृह मंत्रालय ने लिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा को अब जेड श्रेणी की सीआरपीएफ सुरक्षा मिलेगी। गृह मंत्रालय ने खुफिया विभाग (आईबी) की रिपोर्ट के बाद यह फैसला लिया है। लगभग 30 सीआरपीएफ कमांडो की एक टीम दलाई लामा को सुरक्षा प्रदान करेगी। इसके अलावा पुरी से सांसद संबित पात्रा को भी मणिपुर में जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। पात्रा मणिपुर में भाजपा के प्रभारी हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की वीआईपी सुरक्षा शाखा को 89 वर्षीय नेता दलाई लामा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने का निर्देश दिया है। दलाई लामा को देश के सभी हिस्सों में सीआरपीएफ कमांडो के जेड-श्रेणी सुरक्षा कवर द्वारा सुरक्षित

किया जाएगा। अभी तक दलाई लामा के पास हिमाचल प्रदेश पुलिस का एक छोटा सा सुरक्षा कवर था। जब वह दिल्ली या किसी अन्य स्थान की यात्रा करते थे तो स्थानीय पुलिस द्वारा उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाती थी। सरकार ने केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की समीक्षा के बाद उन्हें एक समान सुरक्षा कवर प्रदान किया है।

कौन हैं दलाई लामा?

सन 1935 में ल्हामो थोंडुप के रूप में जन्मे दलाई लामा को दो साल की उम्र से ही अपने पूर्ववर्ती तिब्बती धर्मगुरु का पुनर्जन्म माना गया है। उन्हें सन 1940 में तिब्बत की राजधानी ल्हासा में 14वें दलाई लामा के रूप में तिब्बती धर्मगुरु की मान्यता दी गई थी। सन 1950 में चीन ने तिब्बत पर हमला किया। दलाई लामा सन 1959 में चीन के खिलाफ एक विद्रोह के असफल होने के बाद भारत आ गए थे। तब से वे हिमाचल प्रदेश के शहर धर्मशाला में निर्वासन में रह रहे हैं। सन 1989 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

दलाई लामा ने मॉनेस्टिक शिक्षा प्राप्त की है और वह सालों से तिब्बतियों को न्याय दिलाने के लिए संघर्षरत हैं। वह छह महाद्वीपों और 67 से ज्यादा देशों की यात्रा कर चुके हैं। चीन के तिब्बत पर कब्जे के बाद भारत में दलाई लामा को आए हुए 62 साल से ज्यादा हो गए हैं।

'अगर सब कुछ ठीक हो गया है तो पाकिस्तान के साथ...'

जम्मू-कश्मीर को लेकर महबूबा मुफ्ती ने केंद्र से कर दी बड़ी मांग

मुंबई, एजेंसी। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कश्मीर मुद्दे पर केंद्र और बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कश्मीर का समाधान इस तथ्य में निहित है कि परेशान क्षेत्रों जम्मू और कश्मीर के लोग अपने कल्याण के लिए एक ही दृष्टिकोण विकसित करें। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पीएम और अमित शाह साहब कहते हैं कि जम्मू-कश्मीर में सब ठीक है। इसलिए, मैं उनसे (भारत और पाकिस्तान के बीच) सभी रास्ते खोलने के लिए कहती हूं ताकि वे (पाकिस्तान) यहां आएं और देखें कि हम कैसे रहते हैं और हमारे पास यहां क्या है।

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि सीमा पार जम्मू-कश्मीर की तुलना में हमारे जम्मू-कश्मीर में दर्जनों मेडिकल कॉलेज और कई विश्वविद्यालय हैं। इसलिए, आपके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है सिवाय इस तथ्य के कि आप जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को जीवित रखकर वोट प्राप्त करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान इस मुद्दे को जिंदा रखना चाहता है तो बीजेपी को भी ये शोभा देता है कि जम्मू-कश्मीर में धमाके और हत्याएं हो ताकि वो देश में हिंदू-मुस्लिम मुद्दे उठा सकें। केंद्र पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे जानते हैं कि अनुच्छेद 370 को हटाकर उन्होंने किसी भी समस्या का समाधान नहीं किया है। जब भी कश्मीर में कुछ होता है तो अमित शाह को बैठक बुलानी पड़ती है क्योंकि उन्हें पता है कि उन्होंने कश्मीर के साथ क्या किया है। वे केवल वोट चाहते हैं। पहले 370 था, फिर मंदिर-मस्जिद... और अब वे वक्फ बिल (संशोधन) लाए हैं।

दिल्ली में लागू हो आयुष्मान भारत योजना, भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने एलजी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में भाजपा की जीत के बाद नेताओं का उत्साह बढ़ा है। इसी कड़ी में बीजेपी नेता विजेंद्र गुप्ता ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र लिख आयुष्मान भारत योजना लागू करने को कहा है। हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव 2025 में भाजपा ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया था। विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना को पत्र लिखकर दिल्ली में आयुष्मान भारत और स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली लागू करने का आग्रह किया है।

आपको बता दें कि आयुष्मान भारत योजना को लेकर बीजेपी आरोप लगाती रही है कि पूर्ववर्ती सरकार ने इसे दिल्ली में लागू नहीं किया। गुप्ता ने वित्त आयोग के गठन में कथित तौर

पर चार साल की देरी के लिए निवर्तमान आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार को भी दोषी ठहराया, जिससे उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के विकास और शहरी स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित किया। जवाब में आप ने कहा कि वे हमेशा चाहते थे कि छठे डीएफसी का गठन किया जाए।

इस बात पर जोर देते हुए कि नगर निगमों द्वारा शुरू की गई विकास परियोजनाओं के वित्तीय प्रबंधन के लिए आयोग का गठन महत्वपूर्ण है, गुप्ता ने कहाः 'चूंकि भाजपा सरकार दिल्ली के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए इसके गठन की घोषणा बिना किसी देरी के की जाएगी।' स्थानीय निकायों, विशेष रूप से एमसीडी और उसके पूर्ववर्ती, तीन नगर पालिकाओं को धन आवंटन का मुद्दा, AAP और भाजपा के बीच विवाद का एक प्रमुख मुद्दा था। दिल्ली में अगले सप्ताह भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यभार संभालने की संभावना है। इसको लेकर तैयारी भी शुरू हो चुकी है। इसी कड़ी में बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि भाजपा ने 100-दिवसीय कार्य योजना तैयार किया है और इसको लेकर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए जा चुके हैं। अधिकारियों ने कहा कि नौकरशाह विकसित दिल्ली और आयुष्मान भारत जैसी लंबित केंद्रीय योजनाओं को लागू करने और सीवर ओवरफ्लो और जलभराव से निपटने के लिए 100-दिवसीय कार्य योजना तैयार करने में व्यस्त हैं।

भाजपा की आंतरिक कलह के कारण दिल्ली के मुख्यमंत्री की नियुक्ति में देरी हो रही है : आप

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर जारी आंतरिक खींचतान के कारण दिल्ली के लिए मुख्यमंत्री की नियुक्ति में देरी हो रही है और राष्ट्रीय राजधानी का शासन प्रभावित हो रहा है।

भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हो सकी। पार्टी ने हाल में हुए विधानसभा चुनाव में आप को शिकस्त दी है। आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने आरोप लगाया कि भाजपा की निर्षक्रियता के कारण शहर के कई हिस्सों में लंबे समय तक बिजली कटौती जारी है।

उन्होंने कहा, "चुनाव परिणाम घोषित हुए कई दिन हो गए हैं, फिर भी भाजपा मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला नहीं कर पाई है। इस बीच, दिल्ली के लोग लंबे समय तक बिजली गुल रहने से परेशान हैं। कक्कड़ ने कहा, भाजपा की अंदरूनी लड़ाई का खामियाजा दिल्ली के लोगों को क्यों भुगतना चाहिए?

श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार पर भड़की कांग्रेस, डीएम को सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार पर कांग्रेसियों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा व शहर अध्यक्ष शकील अंसारी सहित दर्जन भर कांग्रेसी कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां जिलाधिकारी से मिलकर उन्हें शिकायती पत्र सौंपा। बताते चलें कि विगत 11 फरवरी को अयोध्या जा रहे श्रद्धालुओं के साथ कूरेभार स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के समीप श्रद्धालुओं के साथ पुलिस ने गाली गलौज करते हुए धक्का मुक्की और लाठी चार्ज किया था, जिसका वीडियों भी सोशल मीडिया और मीडिया मे वायरल हुआ था। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेसियों ने मांग की है कि कूरेभार थाना अध्यक्ष को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए, उक्त थाना अध्यक्ष के कृत्यों की जांच कमेटी बनाकर कराई जाए जिनमें उन सभी प्रकरण को शामिल किया जाए जिसमें थानाध्यक्ष शारदेंदु दुबे की उपस्थिति अथवा सहभागिता रही हो। उक्त जांच 15 दिनों के अंदर में पूर्ण कर रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए अन्यथा कांग्रेस पार्टी लापरवाह व अभद्र पुलिस अधिकारियों के प्रति आंदोलन करने हेतु बाध्य होगी, इन मांगों को लेकर कांग्रेसियों ने जिलाधिकारी से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि पुलिस का यह व्यवहार समाज के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो श्रद्धालु जाम में फंसे हैं उनकी मदद के बजाय उन पर लाठियां बरसाई जा रही है यह पुलिस की तानाशाही को दर्शाता है। एक तरफ प्रदेश सरकार श्रद्धालुओं को आमंत्रित कर रही है दूसरी तरफ इनकी पुलिस श्रद्धालुओं के साथ धक्का मुक्की और लाठीचार्ज कर उन्हें अपमानित कर रही है, उन्होंने कहा कि प्रदेश ही नहीं देशभर के अलग-अलग हिस्सों से तस्वीर सामने आ रही है जो श्रद्धालु जाम में फंसे हैं लोग बिना भेदभाव के उन श्रद्धालुओं की मदद कर रहे हैं लेकिन सुल्तानपुर की पुलिस उनकी मदद की बजाय उन पर लाठियां बरसा रही है जो बहुत ही निंदनीय है। जिला प्रशासन ऐसे अधिकारियों के प्रति विधिक कार्यवाही करें अन्यथा कांग्रेस के लोग सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहा कि कूरेभार थाना अध्यक्ष शरदेंदु दूबे का श्रद्धालुओं के प्रति रवैया बेहद दुखद है जिला प्रशासन को ऐसे पुलिस अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। इस मौके पर जिला प्रवक्ता नफीस फारुकी अमोल बाजपेयी, उपाध्यक्ष सुब्रत सिंह सनी, सुरेन्द्र मिश्र, महिला नेत्री मीनू यादव, श्याम लगन, शीतला साहू आदि प्रमुख लोग शामिल रहे।

दिव्यांग छात्र ऋषभ को मिली ट्राइसाइकिल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले के कुड़वार ब्लॉक संसाधन केंद्र पर समग्र शिक्षा ,राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ द्वारा संचालित दिव्यांग छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए। प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत नोडल टीचर/प्रधानाध्यापकों की 5 दिवसीय समावेशी शिक्षा प्रशिक्षण दिनांक 11फरवरी से गतिमान है। प्रशिक्षण में ब्लॉक के 51 नोडल टीचर/प्रधानाध्यापकों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण में दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने एवं लिखाने की गतिविधि तथा विभिन्न प्रकार के दिव्यांगता के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को विस्तृत रूप से बताया गया।

संदर्भदाता सरजू प्रसाद पाठक और अशोक कुमार मौर्य ने अधिगम अक्षमता तथा उनके लक्षणों के बारे विस्तारपूर्वक उल्लेख किया। प्रशिक्षण के दौरान उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष निजाम खान और संदर्भदाता सरजू प्रसाद पाठक ने समग्र शिक्षा के समेकित शिक्षा अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय चितईपुर में पढ़ रहे कक्षा एक के दिव्यांग छात्र ऋषभ को ट्राई साइकिल प्रदान की गई। इस मौके पर मंत्री बृजेश मिश्र, प्रेमलता त्रिपाठी, फैज उल्ला अंसारी, शिव पूजन पाण्डेय, रमेश तिवारी, हरगोविंद तिवारी, नसीम अहमद , शिवेंद्र पांडे, देवेश पाण्डेय, ऊषा मौर्य, मारिया सुल्ताना, पूनम अग्रवाल, सुधा मिश्रा, चंद्रकला, फैयाज अहमद, मुख्तार अहमद, धनंजय सिंह, मकरध्वज, अनिल सिंह, अरविंद शर्मा, हसन अली, गजनफर अली, सुरेश यादव, धर्मेंद्र तिवारी, अमान उल्लाह, राजश्री, अनिल पाण्डेय इत्यादि नोडल टीचर प्रधानाध्यापकों ने प्रशिक्षण में उपस्थित रहे।

भाजपा द्वारा कुंभ में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए सेवा अभियान जारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व और जिलाध्यक्ष डॉ. आर.ए. वर्मा के निर्देशानुसार कुंभ मेले में जाने और लौटने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन सेवा की व्यवस्था निरंतर जारी है। यह सेवा महाराणा प्रताप इंटरमीडिएट कॉलेज, उतुरी (प्रयागराज मार्ग) पर चल रही है, जहां भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता दिन-रात श्रद्धालुओं की सेवा में लगे हुए हैं। भाजपा एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह, दूबेपुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अखिलेश सिंह डिंपल समेत अन्य कार्यकर्ता इस सेवा कार्य में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन एवं जलपान उपलब्ध कराकर यात्रा को सुगम बनाने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि "सेवा ही संगठन" की भावना के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हरसंभव मदद की जा रही है। पार्टी नेतृत्व का भी यही संकल्प है कि कोई भी श्रद्धालु भूखा न रहे और उन्हें यात्रा के दौरान किसी भी तरह की परेशानी न हो।

यूपी के लखीमपुर में भीषण सड़क हादसा, चार युवकों की मौत, तीन घायल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

निघासन (लखीमपुर)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर में गुरुवार को भीषण हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मलिने पर मौके पर पहुंची पुलसि ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। पुलसि आगे की कार्रवाई में जुटी है।

हादसा ढखेरवा निघासन स्टेट हाईवे पर हाजरा फार्म के पास हुआ। नगर क्षेत्र के पटेल नगर निवासी दिग्विजय अपने दोस्तों के साथ कार में सवार होकर ढखेरवा की ओर से आ रहे थे। हाजरा फार्म के पास खड़ी गन्ने से भरी डबल ट्रॉली में उनकी कार पीछे से जा टकराई। हादसे में कार सवार चौधरी पुरवा के संजय (24), रजनीश (19) और सैफू (34) अली निवासी सिंगाही की मौके पर मौत हो गई। ट्रॉली की पंचर बना रहे सिंगाही कस्बा निवासी अंसार (26) को घायल अवस्था में अस्पताल लाया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई।

तीन लोग गंभीर रूप से घायल

कार में सवार साथी दिग्विजय (21), अरुण (19), रवि (24) निवासी घनश्याम पुरवा गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में युवकों की मौत की खबर के बाद परिवार में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कार सवार युवक एक बर्थ-डे पार्टी में शामिल होने के बाद दोस्त को घर छोड़ने जा रहे थे।

कुशीनगर में भी हादसा, चार लोगों की मौत

कुशीनगर में भी एक हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। दरअसल, पूर्णिमा के दिन बुधवार को नारायणी में डुबकी लगाने के बाद मां मदनपुरी देवी का दर्शन कर गुरुवार को घर वापस लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी टेंपो की सुबह साढ़े पांच बजे अज्ञात वाहन से जोरदार टक्कर हो गई, जसिसे उसके परखच्चे उड़ गए। हादसे में ऑटो चालक समेत चार की मौत हो गई, पांच गंभीर रूप से घायल हो गए।

कप्तानगंज थाना के मथौली किसान इंटर कॉलेज के खेल मैदान के पास हाटा-कप्तानगंज मार्ग पर हुई इस भीषण दुर्घटना के बाद चीख पुकार मच गई। अज्ञात वाहन को चालक लेकर फरार हो गया। घायलों की हालत भी गंभीर बताई जा रही है। कप्तानगंज थाना प्रभारी धनवीर सिंह ने बताया कि सड़क किनारे व दुकान में लगे सीसी कैमरों की मदद से अज्ञात वाहन व उसके चालक के बार में पता लगाया जा रहा है। दुर्घटना में चार की मौत हुई है, पांच गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

डीएम व एसपी ने संयुक्त रूप से रूट डायवर्जन स्थलों व होल्डिंग एरिया का लिया जायजा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। महाकुम्भ-2025 प्रयागराज से अयोध्या, अयोध्या से वाराणसी सहित अन्य मार्गों पर आवागमन करने वाले श्रद्धालुओं हेतु जनपद सुलतानपुर में जिलाधिकारी कुमार हर्ष व पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह द्वारा विभिन्न व्यवस्थाएंः-यातायात के दृष्टिगत वाहनों का रूट डायवर्जन, शांति व सुरक्षा के दृष्टिगत कानून व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु होल्डिंग एरिया में की गई व्यवस्था जैसे-खान पान, पेयजल, शयन हेतु विस्तर की व्यवस्था, प्रकाश, स्वच्छ शौंचालय, साफ-सफाई, स्वास्थ्य शिविर आदि का भ्रमणशील रहकर जायजा लिया गया तथा सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

निरीक्षण के दौरान शांति, सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था को बनाये रखने हेतु सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया। समस्त व्यवस्थाओं हेतु कुल-38 मजिस्ट्रेट, 174 पुलिस अधिकारी एवं 350 हेड कॉन्सटेबल/कॉन्सटेबल/ होमगार्ड की ड्यूटी लगायी गयी है। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा ड्यूटी पर लगे सभी थाना प्रभारियों एवं उनकी टीम को श्रद्धालुओं के सहूलियत हेतु रूट डायवर्जन का अनुपालन करने, श्रद्धालुओं के साथ शालीनता से व्यवहार करने के निर्देश दिये गये हैं।

IIT के बाद अब रामा यूनिवर्सिटी के छात्र ने कर लिया सुसाइड, इस बात से परेशान था छात्र

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में छात्रों के सुसाइड करने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं. अभी कुछ दिनों पहले ही आईआईटी कानपुर के एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। अब बार फिर कानपुर की एक यूनिवर्सिटी से सुसाइड का मामला सामने आया है। रामा मेडिकल यूनिवर्सिटी के छात्र ने परीक्षा में बैक आने पर फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। छात्र बी फार्मा के फर्स्ट ईयर का छात्र था। तीन दिन के अंदर दो छात्रों के सुसाइड करने से युवाओं की मानसिक स्थिति को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

सीतापुर के रहने वाले सरोज गुप्ता के दो बेटे और एक बेटी है, जिसमें से एक बेटे ने सुसाइड कर लिया है। उनका एक बेटा नवीन कानपुर के मंधना स्थिति रामा यूनिवर्सिटी में बी फार्मा का फर्स्ट ईयर का छात्र था। एक हफ्ते पहले नवीन की सेमेस्टर परीक्षा हुई थी। उस परीक्षा में नवीन के सभी विषयों में बैक आई थी। इस बात से नवीन काफी परेशान था और डिप्रेशन में रहने लगा था। दो दिन पहले उसने अपने परिवार से वीडियो कॉल पर बात भी की थी।

हॉस्टल के कमरे में छात्र ने किया सुसाइड

बुधवार देर शाम जब नवीन के हॉस्टल का कमरा नहीं खुला तो उसके दोस्तों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को खबर दी। जब दरवाजा खुलवाया गया तो नवीन फंदे से लटक रहा था। नवीन के परिजनों का कहना था कि कुछ समय पहले नवीन बीमार हो गया था। हालांकि, उसके सारे टेस्ट की रिपोर्ट सामान्य आई थी। नवीन जुड़वा बच्चा था। उसकी बहन और वो एक साथ पैदा हुए थे। नवीन की बहन उससे मात्र दो सेकंड बड़ी थी।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

सुसाइड की खबर मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नवीन के परिजनों को सूचना दे दी गई थी। हॉस्टल में कमरे में एक अन्य छात्र भी नवीन के साथ रहता था, जो छुट्टी पर गया हुआ था। पुलिस अब पूरे मामले में जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार अगर मृतक के परिजन कोई तहरीर देंगे तो उस आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा।

श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिन निकाली भव्य कलश यात्रा

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के अंतर्गत देहली बाजार में बृहस्पतिवार को श्रीमद् भागवत कथा की प्रथम दिन भव्य कलश यात्रा निकाली गई मुख्य यजमान सत्य देव तिवारी के आवास स्थित कथा स्थल से कलश यात्रा शुभारंभ हुई जो काली माता मंदिर हनुमान मंदिर सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों से होते हुए व्यास पीठ पर समाप्त हुई। कलश यात्रा में शामिल पीतांबर धारी महिलाएं एवं पुरुष के धार्मिक जय घोषों से पूरा क्षेत्र गूंजयामान हो उठा।

कथा स्थल पर कथावाचक ने श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ करते हुए कहा नारद मुनि ईश्वर की भक्ति की सिद्धि प्राप्त करके ही अपने जीवन को धन्य बनाया कथा वाचक ने अन्य कथाओं का वर्णन करते हुए श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर विशाल शुक्ल, अजय कुमार शुक्ल, आनन्द तिवारी के साथ स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

1.5 करोड़ श्रद्धालु 7 करोड़ का चढ़ावा... सोना-चांदी और ऑनलाइन अलग, काशी विश्वनाथ मंदिर में नया रिकॉर्ड

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में यूं तो भक्तों की भीड़ हमेशा उमड़ी रहती है। लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं, लेकिन पौष पूर्णिमा से माघ पूर्णिमा तक श्रद्धालुओं ने रिकॉर्ड बना दिया। इस दौरान डेढ़ करोड़ श्रद्धालुओं ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किए। मंदिर की हुंडी में सात करोड़ से ज्यादा का चढ़ावा आया। काशी विश्वनाथ मंदिर के इतिहास में ये सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं के दर्शन करने का नया रिकॉर्ड है।

एक महीने में यानी कि पौष पूर्णिमा से माघ पूर्णिमा तक डेढ़ करोड़ से ज़्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के सीईओ विश्वभूषण मिश्रा ने बताया कि महाकुंभ क्षेत्र से पलट प्रवाह और तीन अमृत स्नान समेत पांच स्नानों के लिए श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। किसी एक महीने में ये सबसे ज़्यादा श्रद्धालुओं के दर्शन करने वाला महीना रहा।

1 करोड़ 60 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

करीब एक करोड़ 60 लाख श्रद्धालुओं ने महीने भर में दर्शन किए हैं। इससे पहले श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर बनने के बाद एक महीने में करीब सवा करोड़ लोगों ने दर्शन किए थे। वो रिकॉर्ड इस एक महीने में टूट गया और नया रिकॉर्ड बन गया है।माघ पूर्णिमा पर अकेले सात लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। मंदिर प्रशासन का अनुमान है कि महाशिवरात्रि तक ये आंकड़ा दो करोड़ के पार हो जाएगा।

चढ़ावा आने के मामले में भी नया रिकॉर्ड बना

श्रद्धालुओं के दर्शन करने की संख्या के साथ-साथ चढ़ावा आने के मामले में भी नया रिकॉर्ड बना है। इसी एक महीने में सात करोड़ से ज्यादा का चढ़ावा भी विश्वनाथ मंदिर की हुंडी में आया। विश्वनाथ मंदिर के एसडीएम शंभू शरण ने बताया कि खास बात ये रही कि इसमें सोना-चांदी और ऑनलाइन बुकिंग के जरिए मंदिर को भेजा गया पैसा शामिल नहीं है। ये चढ़ावा सिर्फ भक्तों और श्रद्धालुओं के दान के तौर पर जो नकद हुंडियों में डाला गया है। ये वो रकम है। सोना -चांदी और चेक के जरिए से जो चढ़ावा आया है। अभी उसकी गिनती नहीं हुई है।

130, 90 और 75 रुपये... दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे शुरू होने पर कितना लगेगा टोल टैक्स? अभी आता है इतना खर्च

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

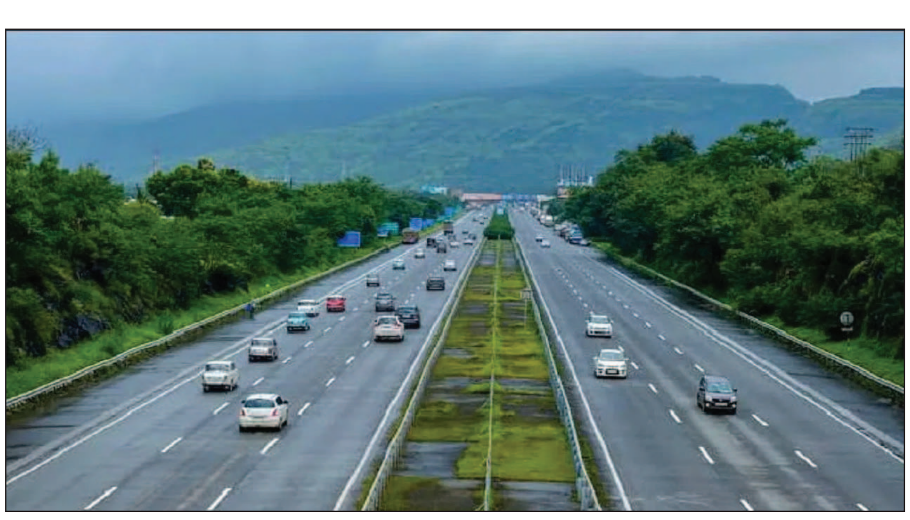

लखनऊ। दिल्ली से देहरादून जाने के लिए जल्द ही एक्सप्रेसवे शुरू होने वाला है। फिलहाल इस एक्सप्रेसवे का 3.14 किलोमीटर हिस्सा यात्रियों के लिए खोल दिया गया है। पहले केवल 3 लेन ही खुली थीं, लेकिन अब 6 लेन से यात्रियों की आरामदायक यात्रा संभव हो सकेगी। एक्सप्रेसवे के पूरी तरह खुल जाने पर सिर्फ 3 घंटे में ही आप दिल्ली से देहरादून पहुंच सकेंगे। लेकिन इसमें टोल का खर्च कितना आएगा, इसे लेकर अपडेट सामने आया है।

अभी दिल्ली से देहरादून जाने में लगभग 500 तक टोल लग जाते हैं। रास्ते में कई टोल प्लाजा आते हैं, जिसमें 130 , 90 और 75 रुपये जैसे कई चार्ज कटते हैं। इस तरह देहरादून पहुंचने तक 500 के लगभग खर्च हो ही जाता है। लेकिन नए एक्सप्रेसवे के पूरी तरह से खुल जाने पर लोगों की उम्मीद है कि यहां का टोल टैक्स और भी ज्यादा होगा। भले ही यात्रा कम समय में करना आसान होगा, लेकिन टोल फीस ज्यादा होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, अभी टोल पास बनने की भी बात चल रही है। अगर यह पास बन जाता है, तो यात्रियों को भारी टोल भरने से राहत मिल सकती है। नया टोल पास नियम यात्रियों के लिए फायदेमंद होगा।

कहां से गुजरेगा एक्सप्रेसवे

यह पूरा एक्सप्रेसवे चार खंडों में बनाया गया है। यह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से होते हुए, शास्त्री पार्क, खजूरी खास और खेकड़ा में मंडोला से उत्तर प्रदेश के बागपत, शामली और सहारनपुर से होकर गुजरता है। इसके बाद उत्तराखंड के देहरादून तक पहुंचता है। इस एक्सप्रेस वे को बनाने में कुल 18 हजार करोड़ का खर्च आया है। इसके पूरी तरह से खुलने के बाद यह दिल्ली से देहरादून पहुंचने का आसान तरीका हो जाएगा।

18 किलोमीटर तक टोल फ्री यात्रा

यात्रियों के लिए सबसे अच्छी खबर यह है कि अक्षरधाम मंदिर से गाजियाबाद के लोनी तक पहले 18 किमी की यात्रा टोल फ्री रहेगा। इस दूरी के लिए आपको कोई टोल नहीं देना पड़ेगा। रिपोर्ट्स की मानें तो इस एक्सप्रेसवे पर कोई टोल प्लाजा नहीं होगा, लेकिन स्कैन करके टोल के पैसे काटे जाएंगे। कुल 212 किमी लंबे इस एक्सप्रेसवे पर आप जितनी दूरी पर यात्रा करेंगे, उतना ही टोल लगेगा। हालांकि, अभी टोल फीस के बारे में स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

सर्वेशा साईं राज बनी व्यापार मंडल की महिला जिला अध्यक्ष

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। भारतीय उद्योग किसान व्यापार मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी पी गुप्ता ने राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शहर के प्रसिद्ध प्रतिष्ठान एसराज ज्वेल्स कंपनी की सर्वेशा साईं राज को संगठन के महिला विंग का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया। उच्च शिक्षा प्राप्त सर्वेशा राज जिले के प्रतिष्ठित ज्वेलर्स व मानवाधिकार एक्टिविस्ट शिवम राज की पत्नी हैं जो कि समाजसेवा के क्षेत्र में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती रही हैं।

इस अवसर पर संगठन के जिला संरक्षक सुरेश कुमार सोनी, जिला संयोजक जीत बहादुर मोदनवाल, युवा जिला संयोजक अरविंद चौरसिया, युवा जिला अध्यक्ष श्याम पोपटानी सहित आशीष बरनवाल, सरदार जसविंदर सिंह, ओमप्रकाश मोदनवाल, दीपक आर्य, प्रदीप मिश्रा, अतुल मोदनवाल,पवन कुमार, सुभाष मोदनवाल, राजदेव यादव, शिवशंकर चौधरी, राजन गुप्ता, शोभित मोदनवाल, अश्वनी वर्मा , रवि सोनी, रमेश मोदनवाल, विशाल अग्रहरि, अनूप कनोडिया, गजानंद मोदनवाल, अजय गुप्ता, डाक्टर पवन कुमार पांडेय, संगमलाल मोदनवाल, एडवोकेट डी डी निषाद सहित जिले के सैकड़ों लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए नव मनोनीत महिला जिला अध्यक्ष सर्वेशा साईं राज को बधाई प्रेषित किया।

संक्षेप

पीड़िता से छेड़छाड़ और मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। गोमतीनगर थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ छेड़छाड़, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गोमतीनगर थाने में 11 फरवरी को पीड़िता की तहरीर पर आरोपी आदर्श यादव के खिलाफ मु0अ0सं0- 48/2025 धारा 76/115(2)/127(2)/351(3) BNS के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।आज 13 फरवरी को पुलिस टीम जब विनीतखंड क्षेत्र में गश्त कर रही थी, तभी हुसड़िया चौराहे के पास आरोपी आदर्श यादव को वाद-विवाद करते हुए पाया गया। मौके पर पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार त्रिपाठी, उपनिरीक्षक गुरप्रीत कौर और उपनिरीक्षक दीपक कुमार यादव शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

लखनऊ में स्वच्छता अभियान के तहत 3,688 किमी सड़कों की सफाई

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान में 65 मेकेनाइज्ड स्वीपर मशीनों और 238 सफाई मित्रों की मदद से 3,688 किलोमीटर सड़कों की सफाई की गई।एलएसए के रीजनल डायरेक्टर अभय रंजन ने बताया कि सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए नए कर्मचारियों की नियुक्ति की जा रही है। सफाई अभियान के तहत सड़कों के साथ-साथ डिवाइडरों, नालियों और चौराहों पर लगी मूर्तियों की सफाई का कार्य भी किया गया। हाई-प्रेशर वाटर जेट मशीनों की मदद से सड़कों पर जमी धूल और गंदगी को हटाया गया, जिससे शहर की स्वच्छता में महत्वपूर्ण सुधार हुआ।स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए नगर निगम की टीम लगातार जागरूकता कार्यक्रम चला रही है। घर-घर जाकर नागरिकों से अपील की जा रही है कि वे कूड़ा अलग-अलग करें और अधिकृत सफाई मित्रों को ही सौंपें। साथ ही, आम जनता से सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी न फैलाने और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई है।नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि मशीनों के उपयोग से सफाई कार्य न केवल तेज हुआ है, बल्कि इसकी गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। नगर निगम की टीम शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और इसमें नागरिकों की भागीदारी को भी आवश्यक मानती है।

चिनहट पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के आरोपी को किया गिरफ्तार

लखनऊ। थाना चिनहट पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान विकास पुत्र रामफेरन, निवासी वनकटवा बहादुर पुरवा, थाना कोतवाली नानपारा, जनपद बहराइच के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को 13 फरवरी 2025 को बाबा अस्पताल मोड़, देवा रोड के पास से गिरफ्तार किया।इस मामले में थाना चिनहट पर 2 फरवरी 2025 को वादिनी द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें बताया गया था कि उसकी पुत्री को अज्ञात व्यक्ति ने बहला-फुसलाकर भगा लिया। इसके बाद पुलिस ने मु0अ0सं0-38/25 धारा-137(2)/87 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया और मामले की विवेचना शुरू की।पुलिस टीम ने साक्ष्य संकलन और सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसके परिणामस्वरूप, 5 फरवरी 2025 को नाबालिग लड़की को ग्राम बनकटवां, जनपद बहराइच से सकुशल बरामद किया गया।आखिरकार, 13 फरवरी को आरोपी विकास को गिरफ्तार किया गया और आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा रही है।यह घटना थाना चिनहट पुलिस की तत्परता और समर्पण को दर्शाती है, जिसने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़कर न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया।

पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल में प्रमोटी अधिकारी संघ के कार्यालय का उद्घाटन

लखनऊ। आज पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल के मण्डल रेल प्रबन्धक आदित्य कुमार द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में पूर्वोत्तर रेलवे प्रमोटी अधिकारी संघ के कार्यालय का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/इन्फ्रा भुवनेश सिंह भी उपस्थित थे।मण्डल रेल प्रबंधक महोदय ने उद्घाटन के बाद संघ के सभी सदस्यों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दी और संघ की सफलता की कामना की। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष अजय कुमार सुमन, सचिव दीपक कुमार, उपाध्यक्ष महेश गुप्ता, संगठन मंत्री दया राम, सहायक सचिव आशीष शुक्ला, मण्डल सिग्नल एवं दूरसंचार इन्जीनियर रवीन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

इन्दिरानगर क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक और कार की टक्कर, मामूली चोटें आईं

लखनऊ। सोशल मीडिया और न्यूज चैनलों पर थाना इन्दिरानगर क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक सवार और कार के बीच हुई जोरदार भिड़ंत की खबर के संबंध में जानकारी सामने आई है। सेक्टर 13 में 12 फरवरी 2025 को हुई इस दुर्घटना के संबंध में प्राप्त वीडियो की जांच के बाद थाना इन्दिरानगर पुलिस टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली।प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि 12 फरवरी को करीब 12:43 बजे अभिजीत श्रीवास्तव पुत्र स्व. मुकेश श्रीवास्तव, जो कि रैपिडो में गाड़ी चलाते हैं, तेज गति से वाहन चला रहे थे। इस दौरान वे मोहल्ले से निकल रही स्विफ्ट डिजायर कार से टकरा गए। इस टक्कर के कारण अभिजीत को मामूली चोटें आईं।स्थानीय लोगों द्वारा उन्हें तत्काल डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। उपचार के बाद वे अपने घर लौट गए।इस घटना के संबंध में थाना इन्दिरानगर में अभी तक कोई शिकायत या प्रार्थनापत्र प्राप्त नहीं हुआ है। हालांकि, यदि भविष्य में तहरीर प्राप्त होती है, तो अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी। पुलिस ने यह भी बताया कि मौके पर स्थिति सामान्य है और कोई गंभीर चोट नहीं आई है।

लखनऊ पुलिस ने 120 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने वाले शातिर साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया

लखनऊ। साइबर क्राइम पुलिस थाना लखनऊ की टीम ने एकेटीयू/बैंक का फर्जी अधिकारी बनकर यूनियन बैंक में खाता खुलवाकर 120 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने वाले शातिर साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है।घटना के अनुसार, 12 जून 2024 को यूनियन बैंक के बैंक प्रबंधक श्री अनुज कुमार सक्सेना द्वारा सूचना दी गई कि एक व्यक्ति ने ए0के0टी0यू0 से संपर्क करके 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक की एफडी के लिए ऑफर लेटर के माध्यम से यूनियन बैंक में खाता खुलवाया।

योगी सरकार पर अल्पसंख्यकों के दमन का आरोप, कांग्रेस ने बताया सत्ता का दुरुपयोग : अजय राय

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय ने प्रदेश की कानून व्यवस्था और सामाजिक सद्भाव को लेकर योगी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सामाजिक समरसता, भाईचारा और कानून-व्यवस्था को पूरी तरह नष्ट करने का काम किया जा रहा है। अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुसलमानों को टारगेट कर उनके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है।अजय राय ने कहा कि सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए प्रशासनिक ढांचे का दुरुपयोग कर रही है। बहराइच, संभल और अब कुशीनगर में अल्पसंख्यकों के खिलाफ सत्ता का खुलेआम दुरुपयोग किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुशीनगर के हाटा नगर पंचायत में स्थित मदनी मस्जिद को बिना किसी नोटिस के ध्वस्त कर दिया गया।उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई सोची-समझी साजिश के तहत की गई। 8 फरवरी को हाईकोर्ट के स्थगनादेश की मियाद समाप्त हो रही थी और 9 फरवरी को रविवार होने के कारण कोर्ट बंद थी। ऐसे में मस्जिद कमेटी को कानूनी सहारा लेने का मौका न मिले, इसके लिए अवकाश के दिन ही 12 बुलडोजरों से मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया।अजय राय ने कहा कि यह सिर्फ एक धार्मिक स्थल पर हमला नहीं था, बल्कि इस तानाशाही कार्रवाई में वहां चल रहे मदरसे को भी निशाना बनाया गया। जहां बच्चे पढ़ते थे, वहां बिना किसी पूर्व सूचना के बुलडोजर चला दिया गया। कुरान शरीफ और अन्य धार्मिक पुस्तकों को निकालने का भी अवसर नहीं दिया गया। पूरे हाटा नगर को पुलिस छावनी में बदलकर प्रशासन ने यह कार्रवाई की, जो अल्पसंख्यकों के खिलाफ सरकार की पक्षपाती नीति को दर्शाती है।उन्होंने आरोप लगाया कि एक निष्क्रिय हो चुकी हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व पदाधिकारी राम बचन सिंह से शिकायत कराकर, एसडीएम के नेतृत्व में जांच के आदेश जारी किए गए। फिर मस्जिद कमेटी को कोई कानूनी विकल्प अपनाने का समय दिए बिना प्रशासन ने मस्जिद गिरा दी। अजय राय ने यह भी आरोप लगाया कि इस कार्रवाई में समाजवादी पार्टी के स्थानीय नेता और हाटा नगर पालिका के अध्यक्ष रामानंद सिंह तथा नगर पालिका की कार्यकारी अधिकारी मीनू सिंह की मिलीभगत थी।अजय राय ने बताया कि वे खुद इस घटना की वस्तुस्थिति की जांच करने कुशीनगर गए थे और पीड़ित पक्ष से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि प्रशासन इस पूरे मामले में झूठ बोल रहा है और तथ्यों को छुपाने का प्रयास कर रहा है। मस्जिद कमेटी ने प्रशासन द्वारा दिए गए हर नोटिस का जवाब लिखित रूप

जापान के यामानाशी प्रांत के उप राज्यपाल के नेतृत्व में जापानी प्रतिनिधि मंडल का उत्तर प्रदेश में स्वागत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने जापान के यामानाशी प्रांत के उप राज्यपाल ओसादा के नेतृत्व में राजधानी लखनऊ पधारे जापानी प्रतिनिधि मंडल का हार्दिक अभिनंदन किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश भगवान बुद्ध की कर्मभूमि रही है और राज्य में स्थित कई बौद्ध धर्मस्थल दुनिया भर के श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार इन धर्मस्थलों के महत्व को देखते हुए पर्यटन विकास के लिए योजनाओं पर तेजी से काम कर रही है।जयवीर सिंह ने गोमती नगर के एक स्थानीय होटल में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में जापानी प्रतिनिधि मंडल से बौद्ध पर्यटन स्थलों के विकास, पूंजी निवेश और अन्य मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि बौद्ध धर्म की उत्पत्ति उत्तर प्रदेश की धरती पर हुई और भगवान बुद्ध से जुड़ी स्थलों की यात्रा करने के लिए दुनिया भर से श्रद्धालु आते हैं, जिससे न केवल पर्यटन बढ़ता है, बल्कि स्थानीय समुदाय को रोजगार और आर्थिक लाभ भी मिलता है।मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बौद्ध धर्म से जुड़े पवित्र स्थलों को सम्मिलित कर पर्यटन विकास की योजनाएं चला रही है, जिनमें से बुद्धिस्ट सर्किट एक प्रमुख योजना है। इस योजना का विकास केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके तहत रेल, जल, हवाई और सड़क कनेक्टिविटी पर तेजी से काम किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में सुरक्षा की गारंटी होने के कारण विदेशी पर्यटकों को यहां आने के लिए आकर्षित किया जा सकता है।जयवीर सिंह ने आगे कहा कि बौद्ध धर्म के अनुयायी जापान में भी हैं, जो दोनों देशों को भावनात्मक रूप से जोड़ते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय सुरक्षा से किया समझौता : प्रमोद तिवारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राज्यसभा में उप नेता और वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्होंने अपने उद्योगपति मित्र अडानी को लाभ पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता किया है। उन्होंने दावा किया कि भारत-पाकिस्तान सीमा से महज 1 किलोमीटर की दूरी पर अडानी ग्रुप को एक विशाल सोलर और विंड पावर प्लांट स्थापित करने की अनुमति दी गई, जबकि सुरक्षा कारणों से इस क्षेत्र में बड़े निर्माण कार्य प्रतिबंधित हैं।प्रमोद तिवारी ने बताया कि गुजरात सरकार ने कच्छ क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी SECI को नवीकरणीय ऊर्जा पार्क के लिए 23,000 हेक्टेयर भूमि आवंटित की थी, लेकिन यह जमीन भारत-पाक सीमा के बेहद करीब थी। सुरक्षा प्रतिबंधों के कारण वहां केवल विंड टरबाइन लगाने की अनुमति थी, सोलर पैनल नहीं लगाए जा सकते थे। जब SECI ने इन शर्तों को लेकर आपत्ति जताई, तो गुजरात सरकार ने अप्रैल 2023 में प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखकर रक्षा मंत्रालय से हस्तक्षेप की मांग की।इसके बाद, 21 अप्रैल 2023 को दिल्ली में एक गोपनीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें सैन्य अधिकारियों और ऊर्जा मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ-साथ SECI के अधिकारियों ने भी भाग लिया। बैठक में वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने आशंका जताई कि सोलर पैनल, सीमा पर ट्रक मूवमेंट और सुरक्षा निगरानी में बाधा बन सकते हैं। हालांकि, डेवलपर्स ने इन चिंताओं को खारिज कर दिया। अंततः रक्षा मंत्रालय ने मई 2023 में नए नियम बनाते हुए सीमा से 2 किलोमीटर के भीतर सोलर पैनल और 1 किलोमीटर के भीतर विंड टरबाइन लगाने की अनुमति दे दी।

पूर्व भाजपा नेता आनंद शुक्ला कांग्रेस में हुए शामिल

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की नीतियों, समावेशी विचारधारा और जननायक राहुल गांधी व राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के जनहित में किए जा रहे संघर्षों से प्रेरित होकर आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष और भाजपा जिला मंत्री दक्षिण सहित कई पदों पर रहे वरिष्ठ भाजपा नेता आनंद शुक्ला उर्फ राजा भैया ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।कानपुर के पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम देव सिंह के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय और जॉइनिंग इंचार्ज नितिन शर्मा की उपस्थिति में आनंद शुक्ला कांग्रेस में शामिल हुए।इस अवसर पर आनंद शुक्ला ने कांग्रेस की नीतियों और सिद्धांतों के प्रति अपनी निष्ठा जताते हुए राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व को मजबूत करने का संकल्प लिया।

महानगर में अवैध हुक्का बार पर पुलिस की कार्यवाही

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना महानगर पुलिस ने अवैध रूप से संचालित हुक्का बार पर छापा मारकर एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आईटी चौराहा स्थित गार्डन कैफे में अवैध रूप से हुक्का बार संचालित किया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो वहां 12 हुक्के, पाइप और नशीले फ्लेवर बरामद किए गए।पुलिस के अनुसार, मौके पर मौजूद अनुज कुमार पुत्र राम कुमार, निवासी देवरिया थाना थानगांव जनपद सीतापुर को गिरफ्तार कर लिया गया। जब उससे हुक्का बार संचालित करने का लाइसेंस मांगा गया तो वह प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ तंबाकू प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। कार्यवाही के दौरान हुक्का बार का संचालक दीपक पुत्र भागरथ मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।पुलिस का कहना है कि यह हुक्का बार बिना अनुमति के संचालित किया जा रहा था, जहां ग्राहकों को नशीले फ्लेवर वाले हुक्के परोसे जा रहे थे। पुलिस ने इस अवैध गतिविधि को रोकने के लिए तत्परता दिखाई और आवश्यक कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।इस कार्रवाई में थाना महानगर पुलिस के प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में टीम ने सफलतापूर्वक अभियान को अंजाम दिया। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी इस प्रकार के अवैध गतिविधियों की जानकारी मिले तो वे तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दें।

शब-ए-बारात पर लखनऊ पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, शहर में विशेष इंतजाम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। शब-ए-बारात के मद्देनजर लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने शहर में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। त्योहार के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां सुरक्षा कड़ी कर दी है। इसके साथ ही यातायात प्रबंधन, आपातकालीन सेवाओं और साफ-सफाई को लेकर भी अहम कदम उठाए गए हैं।शहर के पांचों जोन में पुलिस बल को विशेष रूप से तैनात किया गया है। संवेदनशील 52 स्थानों को चिह्नित कर वहां अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। ऐशबाग कब्रिस्तान, कर्बला तालकटोरा, जिन्नातों वाली मस्जिद, रौज़ा-ए-काज़मैन (सआदतगंज), और मेहंदी घाट (ठाकुरगंज) जैसे प्रमुख स्थानों पर विशेष सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल सतर्क रहेगा। गश्त बढ़ाने के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी।शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए पुलिस ने विशेष योजना बनाई है। प्रमुख मार्गों पर यातायात डायवर्जन लागू किया जाएगा, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। पुलिस पिकेट और बैरिकेडिंग की व्यवस्था भी की गई है ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके।नगर निगम को निर्देश दिए गए हैं कि सभी कब्रिस्तानों, मजारों और प्रमुख धार्मिक स्थलों की विशेष रूप से सफाई कराई जाए और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाए। ऐशबाग ईदगाह और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर सड़कों की मरम्मत और गड्ढों को भरने का कार्य किया जा रहा है।बिजली विभाग को त्योहार के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति में बैकअप व्यवस्था रखने के निर्देश भी जारी किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रमुख स्थानों पर एंबुलेंस की तैनाती की गई है और फायर ब्रिगेड तथा नागरिक सुरक्षा संगठन को हाई अलर्ट पर रखा गया है।शहर के पांचों जोनों में 3 अपर पुलिस उपायुक्त (ADCP), 14 सहायक पुलिस उपायुक्त (ACP), 74 निरीक्षक (इंस्पेक्टर), 491 उपनिरीक्षक (SI), 446 हेड कांस्टेबल/ कांस्टेबल और 153 महिला कांस्टेबलों को विशेष रूप से तैनात किया गया है। इसके अलावा, होमगार्ड और सिविल डिफेंस के जवान भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करेंगे।लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। साथ ही, प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के मैनपुरी एवं फिरोजाबाद दौरे का कार्यक्रम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री नव्व जयवीर सिंह 14 फरवरी को अपराह्न 3 बजे से मैनपुरी और फिरोजाबाद के दौरे पर रहेंगे। उनके प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, वे शाम तक फिरोजाबाद के शिकोहाबाद स्थित रॉयल फार्म हाउस, रहचटी, पारा मुस्तफाबाद रोड में एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होंगे।अगले दिन 15 फरवरी को पूर्वाह्न 9:15 बजे से अपराह्न 1 बजे तक वे मैनपुरी स्थित पीडब्ल्यूडी ट्रांजिट हॉस्टल, पुलिस लाइन के सामने, जनता की समस्याओं की सुनवाई करेंगे। इसके बाद अपराह्न 1:30 बजे भावंत चौराहा, निकट केनरा बैंक, मैनपुरी में किसनी-भावंत-मैनपुरी-औछा प्रमुख जिला मार्ग के शहरी भाग के चार लेन चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य का शिलान्यास करेंगे।इसके उपरांत सायं 4 बजे वे फिरोजाबाद के सिरसागंज स्थित नरसिंह ग्लोबल एकेडमी, सोथरा रोड में आयोजित वार्षिक महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। ८

लखनऊ में जल संकट समाधान की दिशा में बड़ा कदम भूमिगत जलाशय का शिलान्यास

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। जल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। नगर निगम और जलकल विभाग के संयुक्त प्रयास से 660 किलोलीटर क्षमता के भूमिगत जलाशय के निर्माण की आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर सेक्टर-बी, पानी की टंकी परिसर में एक समारोह आयोजित किया गया, जिसमें लखनऊ उत्तरी विधान सभा क्षेत्र के विधायक डॉ. नीरज बोरा और लखनऊ की महापौर नव्व सुषमा खर्कवाल ने भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस जलाशय के निर्माण से अलीगंज और आसपास के क्षेत्रों में जल आपूर्ति को मजबूती मिलेगी, जिससे स्थानीय निवासियों को जल संकट से राहत मिलने की उम्मीद है।जलकल विभाग के महाप्रबंधक कुलदीप सिंह ने बताया कि इस परियोजना के तहत शहरवासियों को स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इस जलाशय को आधुनिक तकनीक से तैयार किया जाएगा ताकि यह लंबे समय तक टिकाऊ रहे। निर्माण कार्य निर्धारित समय के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे क्षेत्र में जल आपूर्ति की समस्या का त्वरित समाधान हो सके। इस परियोजना की अनुमानित लागत करीब चार करोड़ रुपये है और इसे चार महीनों में पूरा कर लिया जाएगा।इस महत्वपूर्ण अवसर पर नगर निगम और जलकल विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, क्षेत्रीय पार्षद और जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे। जोन-3 क्षेत्र समेत कई वार्डों के पार्षदों ने इस पहल का स्वागत किया और इसे शहर के जल प्रबंधन के लिए एक आवश्यक कदम बताया।

बदायूं में 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम का शुभारम्भ

पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाना पहली प्राथमिकता : सीएमओ

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल-इंडिया (पीएसआई-इंडिया) और केन्व्यू के सहयोग से जनपद में "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम का बृहस्पतिवार को यहाँ एक स्थानीय होटल में भव्य शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामेश्वर मिश्रा ने की।

दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता में शामिल है, क्योंकि इस आयु वर्ग के बच्चों की होने वाली कुल मौत का एक प्रमुख कारण डायरिया भी है। उन्होंने कहा कि डायरिया को नियंत्रित करने में ओआरएस अमृत के समान है, बस जरूरत है कि उसे सही मात्रा में और समय से बच्चे को दिया जाये। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस पर नियन्त्रण के लिए समय-समय पर चलने वाले दस्तक अभियान के तहत घर-घर जाकर समुदाय को जागरूक किया जाता है। "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम से इसको और बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी डायरिया के प्रति जागरूकता लानी जरूरी है। उन्होंने कहा कि फील्ड विजिट पर जो संस्थाएं स्वास्थ्य इकाइयों पर जाती हैं तो उनकी भी जिम्मेदारी है कि वह निगाह रखें कि वहां ओआरएस व जिंक की उपलब्धता है कि नहीं और किसी तरह की दिक्कत है तो सूचित जरूर करें।

"डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताते हुए पीएसआई-इंडिया के सीनियर प्रोग्राम मैनेजर अनिल द्विवेदी ने बताया कि कार्यक्रम के तहत आशा, आंगनबाड़ी, एएनएम और महिला आरोग्य समितियों के सदस्यों को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्हें डायरिया की सही पहचान और बचाव के बारे में बताया जाएगा। ओआरएस की

महत्ता समझाई जाएगी। इसके अलावा मीडिया के हर प्लेटफार्म का इस्तेमाल करते हुए डायरिया के लक्षण, कारण और नियन्त्रण सम्बन्धी जरूरी सन्देश जन-जन में प्रसारित किया जाएगा। सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री अस्पतालों के प्रमुख स्थलों पर प्रदर्शित की जाएगी। फ्रंटलाइन वर्कर को काउंसिलिंग के प्रमुख बिन्दुओं और शीघ्र स्तनपान और छह माह तक सिर्फ स्तनपान के फायदे के बारे में ट्रेनिंग दी जाएगी। हैण्डवाशिंग की सही विधि के बारे में प्रशिक्षित किया जाएगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और खंड विकास कार्यालयों को दीवार लेखन के माध्यम से आच्छादित किया जायेगा और जन-जन तक डायरिया से बचाव के प्रमुख सन्देश पहुंचाए जायेंगे। डायरिया चैम्पियन भी चयनित किए जाएंगे। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार (आईसीडीएस) और शिक्षा विभाग के साथ ही अन्य विभागों को भी कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा। निजी क्षेत्र के चिकित्सकों और अस्पतालों को भी कार्यक्रम से जोड़कर ओआरएस कार्नर स्थापित करने और डायरिया के केस की रिपोर्टिंग करने के लिए प्रेरित किया जायेगा। डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के सात जिलों बदायूं, फिरोजाबाद, मुरादाबाद, मथुरा, उन्नाव, गोंडा और श्रावस्ती के साथ बिहार के तीन जिलों सुपौल, पूर्णिया और दरभंगा में पीएसआई इंडिया और केन्व्यू के सहयोग से चलाया जायेगा।

इस मौके पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. मोहम्मद असलम ने कहा कि यदि डायरिया की शुरुआत में ही पहचान कर सही मात्रा में ओआरएस दिया जाए तो गंभीर स्थिति तक पहुँचने से बच्चे को बचाया जा सकता है। गंभीर स्थिति में समय पर बच्चे को अस्पताल ले जाया जाए तो उसको जोखिम से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में तो अब लिक्विड के रूप में निर्मित ओआरएस का घोल भी उपलब्ध है। उन्होंने रोटा वायरस वैक्सीन के बारे में भी जानकारी दी। प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य के नोडल अधिकारी डॉ. सनोज मिश्रा ने कहा कि 24 घंटे में यदि तीन बार पतली दस्त आ रही है तो यह डायरिया के लक्षण हो सकते हैं और यह लम्बे समय तक बनी रहे तो यह गंभीर डायरिया का रूप ले सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की डॉ. पल्वीन कौर ने कहा कि फ्रंटलाइन वर्कर को समय-समय पर संवेदीकृत करने से निश्चित रूप से डायरिया के लक्षण और बचाव से जुड़े जरूरी संदेशों को समुदाय तक पहुँचाया जा सकता है। डायरिया के केसों की रिपोर्टिंग पर भी बल दिया। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के जिला अध्यक्ष डॉ. इत्तेहाद आलम ने कहा कि डायरिया के अधिकतर केस निजी क्षेत्रों में जाते हैं इसलिए उनको संवेदीकृत करने से डायरिया के नियंत्रण में सफलता मिलेगी।

इस मौके पर राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के नोडल अधिकारी डॉ. श्रीमोहन झा, डिविजनल अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर डॉ. गंगा सरन, डिविजनल कार्यक्रम प्रबंधक मो. शाहिद हुसैन, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक कमलेश शर्मा, डिस्ट्रिक्ट कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर (डीसीपीएम) अरविन्द राना, आईसीडीएस और शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि के साथ विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, पीएसआई इंडिया से सुश्रीत खरे, अजय कुमार, राजेश कुमार, चिकित्सा अधिकारी और स्टाफ नर्स आदि उपस्थित रहीं।

कांग्रेस के बाद क्षेत्रीय दलों में भी पतन का दौर

देश की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी का उभार और कांग्रेस सहित कई क्षेत्रीय दलों का पतन काफी कुछ कहता है। भले ही हार से बौखलाए मोदी और बीजेपी विरोधी नेता चुनाव में धांधली का आरोप लगा रहे हों ? सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग की बात करते हों ? लेकिन ऐसा नहीं है कि विरोधियों को अपनी राजनैतिक कमजोरी और सियासी अपरिपक्वता का अहसास नहीं है,लेकिन बार-बार पराजित हो रहे यह नेता सच्चाई स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। जबकि सच्चाई यह है कि बीजेपी को छोड़कर देश की किसी भी राजनैतिक दल में लोकतांत्रिक व्यवस्था ही नहीं है। इसमें देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस सहित बहुजन समाज पार्टी,समाजवादी पार्टी,राष्ट्रीय जनता दल, बीजू जनता दल,उद्धव ठाकरे की शिवसेना,शरद पवार की एनसीपी, ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियों की लम्बी चौड़ी लिस्ट हैं। अब इसमें नया नाम कट्टर ईमानरदार 'आम आदमी पार्टी' का भी जुड़ गया है।

हालांकि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हार के लिये अभी तक ईवीएम मशीन या सरकारी मशीनरी पर किसी तरह की धांधली का आरोप नहीं लगाया है,जबकि उसी समय उत्तर प्रदेश में अयोध्या की चर्चित मिल्कीपुर विधान सभा सीट पर मिली जबर्दस्त हार के बाद समाजवादी पार्टी का प्रलाप लगातार जारी है। ऐसा ही प्रलाप कांग्रेस अध्यक्ष खरगे,नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सहित उनकी पार्टी के तमाम नेता भी करते रहते हैं। हालात यह है कि हार से बौखला कर मोदी विरोधी नेता उन्हें(मोदी) और बीजेपी को ही नहीं चुनाव आयोग,सीबीआई,ईडी जैसी एजेंसियों के खिलाफ भी भड़ास निकालते रहते हैं। यह नेता मोदी को नीचा दिखाने के लिये देश की छवि भी खराब करने से नहीं चूकते हैं। इसमें विदेश से पढ़ाई करके आने वाले टेक्नोटेक सपा प्रमुख अखिलेश यादव और आईआरएस रह चुके अरविंद केजरीवाल जैसे पढ़े लिखे नेता शामिल हैं तो बिहार में लालू यादव के पुत्र तेजस्वी यादव भी आरोप-प्रत्यारोप वाली सियासत से ऊपर नहीं उठ पा रहे हैं।

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने अपनी आभा को एकदम मटियामेट कर दिया है. जो केजरीवाल 12 साल पहले यूथ आइकॉन बनकर उभरे थे, वे अब धूल में लथपथ पड़े हैं. विधान सभा में 'दिल्ली का मालिक मैं हूं' जैसे अहंकारी बयान देने वाले और हरियाणा सरकार पर यमुना नदी में जहर मिलाने का आरोप लगाकर अपनी फजीहत करा चुके अरविंद केजरीवाल दिल्ली जैसे आधे-अधूरे राज्य का मुख्यमंत्री रहने के बाद प्रधानमंत्री का ख्वाब देखने लगे थे मगर अब वे विधायकी भी गंवा बैठे। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है, कि अरविंद जिस तेजी से राजनीति में चमके थे उसी तत्परता से औंधे मुंह जा गिरे। अब उनका कोई भविष्य नहीं है और इसकी वजह है उनका बड़बोलापन और भरोसे की राजनीति न करना एवं उनकी अवसरवादिता। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल से अधिक भद्द राहुल गांधी की पिटी है। पिछले कई चुनावों से दिल्ली में शून्य सीटों का रिकॉर्ड राहुल गांधी और कांग्रेस के नाम दर्ज है।

अरविंद केजरीवाल की तरह ही नेताजी मुलायम सिंह यादव की राजनैतिक विरासत संभाले हुए अखिलेश यादव की है। 2012 के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद तत्कालीन सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव ने अपनी जगह अपने बेटे अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया था,जबकि अनुभव के नाम पर अखिलेश खाली हाथ थे। इसके बाद अखिलेश यादव अपने दम पर भले ही राजनीति में कुछ खास नहीं कर पाये हों,लेकिन उनके बड़बोलेपन और अपनी हार का ठीकरा दूसरों के सिर फोड़ने की महारथ के चलते खूब नाम कमा रहे हैं।विवादित बयानबाजी की बात की जाये तो अखिलेश यादव अपने अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद को अयोध्या का नया राजा कहकर प्रभु श्रीराम और उनके भक्तों का उपहास उड़ाने के चक्कर में खुद फजीहत करा बैठते हैं। उन्हें ट्रॉफी की तरह अपने साथ लेकर घूमते थे,लेकिन मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद अखिलेश अपने होश खो बैठे हैं। सपा नेता हार से इतना बौखला गये हैं कि पार्टी के महासचिव प्रो रामगोपाल यादव तो यूपी के सरकारी अधिकारियों को ही नसीहत देने लगे हैं कि वह मुख्यमंत्री योगी जी का आदेश सुनने की बजाये उन्हें नसीहत दें। अखिलेश यादव से लेकर शिवपाल यादव, रामगोपाल यादव हताशा में डूबते जा रहे हैं। रामगोपाल तो अयोध्या में रामलला के मंदिर को भी बेकार कह चुके हैं। सपा के तमाम नेता महाकुंभ में कथित अव्यवस्था को लेकर भी लगातार सीएम पर हमलावर हैं,लेकिन इससे समाजवादी पार्टी को हासिल क्या हो रहा है,यह प्रश्न चिन्ह बना हुआ है।क्योंकि समाजवादी पार्टी का पीडीए पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। मिल्कीपुर में तो सपा को यादवों तक का वोट नहीं मिला।

मिल्कीपुर विजय से भाजपा को राहत व सपा की राह कठिन

राजनैतिक दल के रूप में भाजपा ने मिल्कीपुर चुनाव जीतने के लिए बेहद आक्रामक रणनीति तैयार की और स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बार मिल्कीपुर का दौरा किया।

मृत्युंजय दीक्षित

मिल्कीपुर की जनता ने विपक्ष के नकारात्मक विचारों के एजेंडे को नकारते हुए विकास और सुशासन का साथ दिया। मिल्कीपर की जनता को अच्छी तरह से समझ में आ गया कि स्थानीय विकास के लिए सत्तारूढ़ भाजपा का विधायक ही आवश्यक है।

जून 2024 के लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद सबसे अधिक चर्चा फैजाबाद संसदीय क्षेत्र में भाजपा की पराजय की हुई, जहाँ श्री रामजन्मभूमि पर दिव्य, भव्य राम मंदिर का हिन्दू समाज का 500 वर्ष पुराना सपना पूरा होने के बाद भी भारतीय जनता पार्टी को हार का मुंह देखना पड़ा। फैजाबाद जीत से विपक्ष का आत्मविश्वास इतना बढ़ गया कि इसके बाद हुई अपनी गुजरात रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने, भाजपा के राजनीति से विश्राम ले चुके वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी जी के राम मंदिर आंदोलन को ही हरा देने का दंभ भरा। लोकसभा में सपा सांसद अवधेश प्रसाद की तो मानो प्रदर्शनी लगा दी गई बड़बोले नेताओं ने उनको अयोध्या का रजा तक कह दिया।

फैजाबाद संसदीय सीट की हार और अवधेश प्रसाद को अयोध्या का राजा कहे जाने से सनातन समाज में दुःख, निराशा और क्षोभ था। मिल्कीपुर को सनातनी हिन्दुओं ने अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था क्योंकि सनातनधर्मी प्रभु राम को ही अयोध्या का एकमात्र राजा मानते हैं । यहां पर यह बात ध्यान देने योग्य है कि जब से सपा मुखिया और कांग्रेस ने अवधेश प्रसाद को अयोध्या का राजा कहना आरम्भ किया तभी से इनकी राजनीति गड़बड़ाने लगी।अब तक प्रदेश में 11 विधानसभा उपचुनाव हो चुके हैं जिसमें भाजपा को आठ सीटों पर सफलता मिली है और प्रदेश में सपा और कांग्रेस गठबंधन भी बिखर रहा है।

राजनैतिक दल के रूप में भाजपा ने मिल्कीपुर चुनाव जीतने के लिए बेहद आक्रामक रणनीति तैयार की और स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बार मिल्कीपुर का दौरा किया। जब योगी जी मिल्कीपुर जाते थे तब सपा सांसद का बयान आता था कि योगी जी जितनी बार मिल्कीपुर आयेंगे भाजपा का वोट प्रतिशत उतना ही घटेगा और सपा का उतना ही वोट प्रतिशत बढ़ता जायेगा जबकि परिणाम उसके विपरीत आये हैं। मिल्कीपुर की जनता के बता दिया है कि अयोध्या के एकमात्र राजा प्रभु राम ही है।

मिल्कीपुर की जनता ने विपक्ष के नकारात्मक विचारों के एजेंडे को नकारते हुए विकास और सुशासन का साथ दिया। मिल्कीपर की जनता को अच्छी तरह से समझ में आ गया कि स्थानीय विकास के लिए सत्तारूढ़ भाजपा का विधायक ही आवश्यक है। मिल्कीपुर की जनता ने सपा के परिवारवाद और जातिवाद को नकार दिया है। परिणाम से यह भी साफ हो गया है कि योगी का बटेंगे तो कटेंगे का नारा जातिवाद के विरुद्व हिंदुत्व की राजनीति को ताकत दे रहा है। इस विजय से भाजपा के लिए एकजुट हिंदुत्व की राजनीति के पथ पर आगे बढ़ना आसान हो गया है।

मिल्कीपुर सीट पर भाजपा को तीसरी बार जीत मिली है ।इससे पहले 1991 और 2017 में जीत मिली और अब 2025 में चंद्रभानु पासवान ने सपा के गढ़ में भगवा परचम लहराने में सफलता हासिल की है। मिल्कीपुर सीट का गठन 1967 में हुआ था और 1969 में तत्कालीन जनसंघ हरिनाथ तिवारी विधायक चुने गये थे। इसके बाद 1974 से 1989 तक यह विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी का अभेद्य किला बन गया।1991 में राम लहर में मथुरा प्रसाद तिवारी ने भाजपा से जीत दर्ज की फिर 2012 तक यहां पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2017 में मोदी लहर में भाजपा के बाबा गोरखनाथ विजयी रहे। यह अलग बात है कि इसके बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के अवधेश प्रसाद ने बाबा को पराजित किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने अवधेश प्रसाद को अपना उम्मीदवाबर बनाया था और वह जीत गये। तभी से भाजपा पर लगातार दबाव बनता जा रहा था कि किसी न सिकी प्रकार से यह सीट हर हाल में जीतकर दिखानी है और योगी जी की टीम ने यह काम कर दिखाया है।

मिल्कीपुर चुनाव से पूर्व प्रयागराज महाकुम्भ-2025 में योगी कैबिनेट ने एक साथ गंगा में पवित्र डुबकी लगाकर मीडिया जगत और जनमानस में इस बात का संदेह पूरी तरह से दूर कर दिया कि योगी कैबिनेट व भाजपा में आपस में कोई मतभेद व मनभेद है। मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव में भाजपा भदरसा दुष्कर्म कांड के बहाने सपा पर हमलावर रही। चुनावों के बीच ही वहां पर एक बालिका के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या का एक मामला सामने आया उसके बाद विपक्षी दलों ने भाजपा को घेरने का असफल प्रयास किया। इस घटना को लेकर सभी दलों के नेताओं ने सोशल मीडिया पोस्ट करके राजनीतिक तापमान को गरमाने का असफल प्रयास किया था किंतु आरोपियों के पकड़े जाते ही यह मामला अपने आप गायब हो गया। इस प्रकरण में अवधेश प्रसाद के आंसू भी निकले और खूब निकले यहां तक की मीडिया में बार-बार दिखाया भी गया, मतदान के दिन अवधेश प्रसाद ने एक वीडियो बनवाकर चलवाया जिसमें वह हनुमान चालीसा पढ़ रहे थे, किन्तु ऐसी कोई भी ट्रिक इस चुनाव में नहीं चली। मिल्कीपुर की जनता ने इस बार लोकसभा की गलती को ठीक करने का मन बना लिया था।

मिल्कीपुर में अबकी बार संघ ने भी काम संभाला और मजबूत किलेबंदी के साथ हर बूथ पर संघ के पदाधिकारी मोर्चा पर डटे रहे। इसका असर मतदान के दिन दिखा भी। संघ ने मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुंचाने में पर्याप्त श्रम किया। मिल्कीपुर जीत से भाजपा का विश्वास बढ़ा है, योगी जी की प्रतिष्ठा बढ़ी है और उनके नारे की लोकप्रियता भी बढ़ रही है। महाकुंभ- 2025 के समापन के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री येगी आदित्यनाथ जी का एक नया अवतार देखने को मिल सकता है। हिंदुत्व की राजनीति में काशी, मथुरा के साथ संभल का अध्याय भी जुड़ चुका है।

अजब-गजब

साइंटिस्ट्स के हाथ लगी बड़ी कामियाबी, सालों की खोज के बाद मिला 'सुपर अर्थ' पृथ्वी से महज इतनी है दूरी

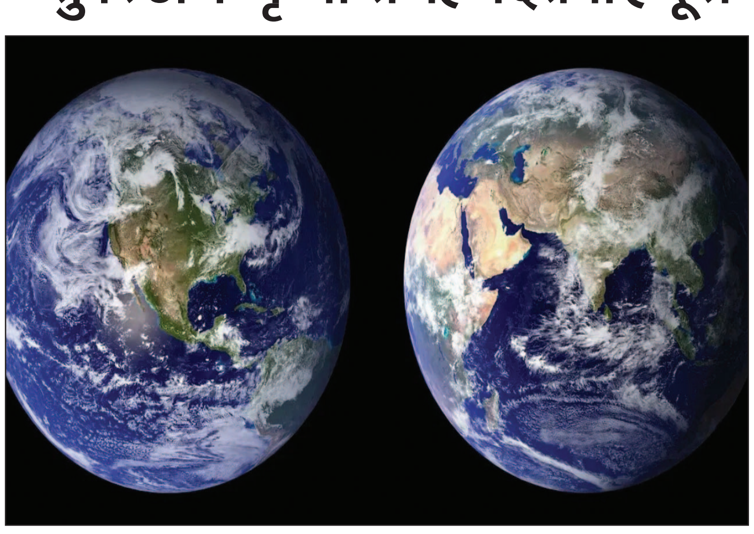

विज्ञान के क्षेत्र में आज दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है. जिस कारण अपने आस-पास की चीजों को लेकर अवेयरनेस बढ़ी है और सुविधाओं को विस्तार मिल रहा है. अब ऐसे में इंसान ब्रह्मांड के हर कोने तक इंसान जाना चाह रहा है. जिसमें धीरे-धीरे सफलता भी मिल रही हैं. इसी कड़ी में अब वैज्ञानिकों को एक ऐसा ग्रह मिला है जहां पृथ्वी की तरह ही जीवन की संभावना जताई जा रही है. वैज्ञानिक काफी समय से पृथ्वी से मिलते-झुलते गृहों की तलाश कर रहे थे. अब इस क्रम में वैज्ञानिकों को बड़ी सफलता मिली है और आम जनता के लिए भी ये एक अचंभित कर देने वाली खबर है.

ब्रह्मांड में नए सुपर-अर्थ की खोज कर ली गई है. इस सुपर अर्थ का नाम HD 20794 d है. इस बात की आधिकारिक घोषणा भी कर दी गई है. इसकी दूरी भी ज्यादा नहीं है और महज 20 प्रकाश वर्ष दूर बताई जा रही है. इसके एरिया की बात करें तो ये पृथ्वी से 6 गुना बड़ा है और इसके पास भी सूरज की तरह एक चमकता तारा है. वैज्ञानिकों का ऐसा मानना है कि इस जगह के एटफॉस्फियर से ऐसा अनुमान लगाया जा सकता है कि यहां लिक्विड, पानी और जीवन की भी संभावना हो सकती है, लेकिन जीवन कैसा होगा इसके बारे में अध्ययन के बिना ज्यादा अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है.

ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी में शामिल डॉक्टर माइकल क्रेटिंगनर ने अपने एनालाइजेशन में ये बताया था कि उन्हें स्टार लाइट स्पेक्ट्रम में पीरियॉडिक शिफ्ट नजर आया था. लेकिन कमजोर सिग्नल की वजह से ये लोकेशन और एग्जिस्टेंस पुख्ता तौर पर सामने नहीं आ पाई थी. इसलिए अभी इस बात को पूरी तरह से मान लेना भी किसी जल्दबाजी से कम नहीं होगा. वैज्ञानिकों को इस सुपर अर्थ की खोज से सिर्फ इस बात की खुशी नहीं है कि एक अपनी पृथ्वी के जैसा प्लेनेट मिला है बल्कि इस खोज ने वैज्ञानिकों से इस दावे को और मजबूत कर दिया है कि पृथ्वी के अलावा भी कई अलग प्लानेट में जीवन की संभावना हो सकती है.

वैज्ञानिकों ने इस खोज में ये कहा है कि इसकी पुष्टि सिर्फ एक स्टिल या एक खोज के आधार पर नहीं की गई है बल्कि सालों की रिसर्च के बाद ही इस फैक्ट को कन्फर्मेशन दी गई कि पृथ्वी से सिर्फ 20 प्रकाश वर्ष की दूरी पर एक सुपर अर्थ है. वैज्ञानिक इस अचीवमेंट से खासा उत्साहित हैं. डॉक्टर क्रिटिंगर ने इस मौके पर कहा- मेरे लिए स्वाभिक तौर पर ये बहुत आनिंदित कर देने वाली खबर है कि किसी ऐसे प्लानेट की भी एग्जिस्टेंस है. वो भी ये सिर्फ 20 प्रकाश वर्ष ही दूर है. आगे अब इसपर स्पेशल मिशन के तहत स्पेश मिशन्स को एक्सप्लोर करने के लिए भेजा जा सकता है. कई जानकार और अनुभवी वैज्ञनिक तो HD 20794 d को उसके सरफेस और साइज के मुताबिक यूनिक भी बता रहे हैं.

ब्लॉग

रिश्तों में अश्लीलता घोलता सोशल मीडिया

ललित गर्ग

इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर एवं यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने मातापिता की गरिमा को आहत करने वाली अश्लील, अपमानजनक एवं विवादास्पद टिप्पणी करते हुए भारतीय संस्कारों एवं संस्कृति को धुंधलाने का घिनौना एवं अक्षम्य अपराध किया है। भले ही इस टिप्पणी के लिए माफी मांगी गयी हो, लेकिन रणवीर ने हास्य कलाकार समय रैना के यूट्यूब रियलिटी शो इंडियाज गाट लैटेंट में एक प्रतियोगी से उसके मातापिता और यौन संबंधों को लेकर सवाल करते हुए यह आपत्तिजनक टिप्पणी की। इसको लेकर विवाद भड़क गया, लोगों के गहरा आक्रोश है। सामाजिककर्मियों के साथसाथ विभिन्न दलों के राजनेता ने इसकी तीव्र आलोचना करते हुए पॉडकास्ट पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। इस मामले पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यूट्यूब को नोटिस जारी किया है। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी सक्रिय हुआ है। इस शो में मातापिता, महिलाओं और उनके शरीर के बारे में अभद्र एवं अश्लील टिप्पणियां की गई थीं। इसलिये रियलिटी कामेडी शो के निर्माताओं, जजों और प्रतिभागियों के खिलाफ अपमानजनक भाषा और अश्लील सामग्री के इस्तेमाल को लेकर मुंबई पुलिस के साथसाथ देश में अन्य स्थानों पर शिकायत दर्ज कराई गयी है। सोशल मीडिया से लेकर हर जगह रणवीर की थू थू हो रही है। हर कोई उनके खिलाफ आवाज उठा रहा है और जेल भेजने की मांग कर रहा है।

तथाकथित रणवीर इलाहाबादिया के एक्स पर छह लाख से अधिक फालोअर, इंस्टाग्राम पर 45 लाख से अधिक फालोअर और यूट्यूब चैनल पर 1.05 करोड़ सब्सक्राइबर हैं। इलाहाबादिया उन ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर्स में से एक हैं, जो ऐसे अश्लील एवं संस्कृतिविरोधी प्रदर्शन से करोड़ों रुपये भी कमाते है, जिन्हें पिछले साल नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राष्ट्रीय क्रिएटर्स पुरस्कार मिला था। पिछले दिनों उन्होंने डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के साथ मिलकर कई कैबिनेट मंत्रियों का साक्षात्कार लिया था। इसके अलावा साल 2022 में उनका नाम फोर्ब्स अंडर 30 एशिया लिस्ट में भी आया था। 22 साल की उम्र में रणवीर ने अपना पहला यूट्यूब चैनल शुरू किया था, आज वह सात चैनलों को चला रहे हैं। पाकिस्तान से भारत आये रणवीर इलाहाबादिया का पूरा नाम रणवीर सिंह अरोड़ा है। लेकिन लोग उन्हें रणवीर इलाहाबादिया के नाम से जानते हैं। मातापिता पर विवादित कमेंट करने से पहले रणवीर इलाहाबादिया कई बार सोशल मीडिया पर बवाल मचा चुके हैं। उनका विवादों से पुराना नाता रहा है। उनके विवादास्पद बयानों की वजह से उन्हें एक बार जिम से भी बैन किया गया था। इतना ही नहीं, वो लड़कियों के कपड़ों पर भी विवादित कमेंट करने की वजह से हेडलाइन्स बटोर चुके हैं। लेकिन ऐसे विकृत सोच रखने वाले लोगों को ऐसे बड़े सम्मान मिलना भी अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है। क्योंकि यह अभिव्यक्ति की आजादी का बेहूदा, आपत्तिजनक एवं अमर्यादित उपयोग है, यह रचनात्मकता नहीं है, यह विकृति है और ऐसे विकृत व्यवहार को सामान्य नहीं माना जा सकता। विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण तो यह स्थित भि है जिसमें इस खराब टिप्पणी को जिस तरह आम लोगों की जोरदार तालियां मिलीं। प्रश्न है कि आखिर हम कैसा समाज बना रहे हैं? क्यों हम अपनी संस्कृति एवं संस्कारों को घूमिल कर रहे हैं।

रात्मक प्रभाव भी सामने आते जा रहे हैं। जो कि भारतीय समाज, संस्कृति और परिवार परम्परा पर सीधे आघात कर रहे हैं। भारत विरोधी तत्वों के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में भौतिक वासना, नग्नता, अश्लीलता की विकृति फैलाने का काम भी हो रहा है। इससे समाज के भीतर कुंठित वासना एवं बीमार मानसिकता को जन्म दिया जा रहा है, जिसे रोकने के लिए सरकार से लेकर प्रशासन और समाज को साथ आकर कड़े कदम उठाने होंगे। एक ओर जहां सोशल मीडिया पर अनचाहे अश्लील दृश्यों की भरमार हो रही है। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया प्लेटफार्म से होने वाली कमाई एक बड़ी वजह निकल कर सामने आ रही है। सोशल मीडिया पर किसी भी सामान्य व्यक्ति के द्वारा अपना अकाउंट बनाकर ऐसा भी कंटेट अपलोड किया जा सकता है जिसे लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किसी प्रकार की कोई रोट टोक एवं पाबंदी नहीं है। इस प्रकार के सोशल मीडिया अकाउंट बड़ी तेजी से बढ़ रहे हैं। समाज में पैसे का लोभ दिखाकर अश्लील शार्ट फिल्म और वेब सीरीज का गौरखधंधा धडल्ले से चल रहा है। मोबाइल एप्स और ओटीटी वेब पोर्टल पर अश्लील एवं संस्कृति विरोधी कंटेंट निर्बाध रूप से होना सरकार की बड़ी नाकामी है। यही कारण है कि ऐसे सभी प्रकार के मोबाइल एप्स और वेब पोर्टल पर भी सरकारी नियंत्रण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है।

तकनीक के माध्यम से भारतीय युवा एवं किशोर पीढ़ी को अपने जीवन के प्रारंभ के समय से ही कामवासना के जाल में फंसाकर उनके जीवन को गौण बनाने एवं धुंधलाने के प्रयास किये जा रहे हैं। युवा शक्ति राष्ट्र की प्रेरक शक्ति है। नैतिक मूल्यों के बिना ज्ञान न केवल बेकार हैं, बल्कि समाज के लिए भी खतरनाक हैं। यही कारण है कि हमारी युवापीढ़ी बड़ी दुविधा में हैय उन्हें भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें दिग्भ्रमित किया जाता है, जिससे वर्तमान भारतीय समाज न केवल प्रभावित होता है, बल्कि यह भावी पीढ़ी के भविष्य पर भी प्रश्नचिन्ह लगाता है। ऐसे अनेक प्रकार के अश्लील कंटेंट देखे जा सकते हैं जिसमें अश्लीलता के माध्यम से भारतीय परिवार व्यवस्था को नष्ट करने का काम भी षडयंत्रपूर्वक किया जा रहा है। जिसकी चर्चा समाज के भीतर प्रबुद्ध लोगों को करने की आवश्यकता है ताकि समय पर जागरूकता के साथ समाज और परिवार को गर्त में जाने से रोका जा सकता है।

दरअसल, साल 2021 में रणवीर इलाहाबादिया ने महिलाओं के कपड़ों पर सेक्सिएस्ट कमेंट किया था, जिसकी वजह से उस समय भी सोशल मीडिया पर बवाल खड़ा हो गया था। इस दौरान उन्हें लोगों ने बुरी तरह से ट्रोल किया था। उन्होंने एक ट्वीट करते हुए लिखा था कि कुर्ती पहनने वाली महिलाएं, पुरुषों को घुटने टेकने पर मजबूर कर देती हैं। रणवीर की इस पोस्ट के कारण उन्हें महिलाओं का भारी विरोध झेलना पड़ा। बावजूद इसके वे नारी अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की कोशिशों में लगातार संलग्न रहे हैं। जो व्यक्ति सनातन धर्म और आध्यात्मिकता की बात करता है और बड़ी हस्तियों को अपने शो में बुलाता है, वह ऐसी विकृत मानसिकता कैसे रख सकता है? शर्म जब बिकाऊ हो जाती है तब शर्म नहीं रहती, व्यापार हो जाती है। अभी तराजू के एक पलडे. में रुपया है और दूसरे पलडे. में नैतिकता, लज्जा, शालीनता, मूल्य और संस्कृति है। देह से जो पवित्र अभिव्यक्ति होती है, वह गायब है। देह को केवल चर्म मान लिया जाता है और चर्म का प्रदर्शन चर्म तक पहुंच गया है। बड़ीबडी. कम्पनियां इन सोशल मीडिया प्लेटफार्म के सहारे अपना अश्लील उत्पाद बेच रही हैं और यूट्यूब जैसे कार्यक्रमों को प्रायोजित कर रही हैं। उनके लिए सब कुछ रुपया है। जीवन मूल्यों एवं संस्कृति से कोई लेनादेना नहीं है। बहुत विस्फोटक स्थित हि गई है। अगर ऐसे विकृत मानसिकता के लोगों की विकृति प्रसार की घटनाओं को नजरअंदाज किया गया तो अगली पीढ़ी का भविष्य खतरे में पड़ सकता है। भारतीय संस्कृति को बचाने और लोगों को अच्छी चीजों के लिए प्रेरित करने के लिये सोशल मीडिया सशक्त माध्यम बन सकता है, लेकिन ऐसे रणवीर इलाहाबादिया से सोशल मीडिया को मुक्त करके ही यह संभव है।

सोशल मीडिया को नैतिक, मर्यादित एवं शालीन बनाने की जरूरत है। नैतिक मूल्यों का ह्रास होना नये भारत, सशक्त भारत एवं विकसित भारत की एक बड़ी बाधा है। क्योंकि अधिकांश युवा पीढ़ी धीरेधीरे नैतिक मूल्यों की अवहेलना कर रही हैं। यही कारण आप अपने मातापिता के बारे में किस तरह की बातें शेयर कर रहे हैं? क्या ये कॉमेडी है? ये बिल्कुल भी कॉमेडी नहीं है। ये स्टैंडअप कॉमेडी नहीं हो सकती। लोगों को गाली देना सिखाना, अश्लीलता परोसना, नारी की अस्मिता को कुचलना एवं मातापिता की छवि को धुंधलाना ऐसी विकृतियां हैं जो देश को संस्कृतिविहीन बनाती है, कमजोर करती है।

'बेटे नहीं हैवान हो तुम, धरती पर कलंक हो' बेटे की करतूत देख फायर हो गए कलेक्टर

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कहते है मां के पैर के नीचे स्वर्ग होता है, लेकिन कानपुर के एक कलयुगी बेटे ने अपनी मां को इतनी भद्दी-भद्दी गालियां दी कि उसकी रिकॉर्डिंग सुनकर खुद डीएम आग बबूला हो गए। जनता दरबार में डीएम ने बेटे से कहा कि तुम बेटे नहीं हैवान हो। इस धरती पर कलंक हो। सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि कलयुगी बेटे ने मां के मकान पर कब्जा कर लिया और मां को घर से बाहर निकाल दिया। डीएम ने तुरंत आदेश दिए कि मकान को आज ही खुलवा कर मां को कब्जा दिलाया जाए।

कानपुर के चौबेपुर की रहने वाली एक महिला के पति का स्वर्गवास दो साल पहले हो गया था। महिला की चार बेटियों और बेटा कृष्ण मुरारी है। महिला के अनुसार कृष्ण मुरारी शराबी और आवारा है। पति की मृत्यु के बाद से बेटा अपनी बहु के साथ मिलकर उनको गालियां देता था। आरोप है कि बेटा दामादों की हत्या करने की धमकी भी देता था। जब एक बार पीड़ित महिला दर्शन करने वृंदावन गई थी तो बेटे ने पीछे से मकान पर ताला लगा दिया और कब्जा कर लिया।

रिकॉर्डिंग सुनकर आग बबूला हुए DM

इस पूरे मामले में महिला ने हाईकोर्ट का सहारा लिया और हाईकोर्ट के आदेश पर कानपुर के डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह के सामने पेश हुई। डीएम ने वहीं पर बेटे को भी तलब कर लिया। महिला ने डीएम से गुजारिश करते हुए कहा जाए कि उनका बेटा कैसी कैसी गालियां देता है। इस बात को प्रूफ करने के लिए महिला ने बेटे की कॉल रिकॉर्डिंग कर ली थी। जब डीएम ने रिकॉर्डिंग सुनी तो वो आग बबूला हो गए।

'तुम बेटे नहीं हैवान हो'

उन्होंने बेटे पर नाराजगी जताते हुए कहा कि तुम बेटे नहीं हैवान हो। इस धरती पर कलंक हो तुम। पीड़िता महिला की हालत और दर्द देखकर डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने तुरंत आदेश दिए है कि महिला के घर का ताला खुलवा कर उसे तुरंत मकान का का कब्जा दिलाया जाए। जब तक महिला को कब्जा नहीं मिलता है तब तक आरोपी बेटे को जाने ना दिया जाए।

महिला बंदियों के बच्चो को समाज के बीच रहने का हक : देवेन्द्र प्रताप सिंह

कानपुर। सीडब्लूसी सदस्य महानगर मजिस्ट्रेट देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कानपुर जिला जेल अधीक्षक बीडी पांडे से उनके कार्यालय में महिला जेल बंदियों के जेल में साथ रह रहे बच्चो को उनके परिवार के लोगो को सुपुर्द करने के लिए मुलाकात की दो माह पहले देवेंद्र प्रताप ने अधीक्षक से ऐसे बच्चो को परिवार में समायोजित करने का प्रस्ताव दिया था जिसके ऊपर अधीक्षक ने कुछ महिला बंदियों के परिवार वालो को बुलाकर उन्हें बच्चो की सुपुर्दगी में लेने का प्रस्ताव रखा और 5 बच्चों के परिवार वाले तैयार हो गए है और उन बच्चो से मुलाकात कर उनके विचारो को जाना देवेंद्र प्रताप जी ने जेल में रह रहे कुल 9 बच्चो में से अधिकतम बच्चो के परिवार में. समायोजित करने की बात कही और कहा की जितनी जल्दी बच्चे सामाजिक वातावरण में स्थानांतरित होंगे उनके बेहतर भविष्य की उतनी अधिक संभावना रहेगी।

डीएम के प्रयासों से महज 20 दिनों में 3000 नकल सवालों की पेंडेंसी खत्म

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। जिले में कर्मचारियों की कमी के चलते नकल सवालों की पेंडेंसी कॉफी बढ़ गई थी। जिसके लिये अधिवक्ताओं ने नवागत जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी से इस समस्या के समाधान के लिये अनुरोध किया था। जिस पर जिलाधिकारी ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विशेष अभियान चलाकर नकल सवालों की पेंडेंसी को शीघ्रता से समाप्त किया जाए। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में महज 20 दिनों में ही 3,000 से अधिक सभी नकल सवालों की पेंडेंसी खत्म कर दी गई है। जिस पर जिलाधिकारी ने इस कार्य में लगे पटल सहायक सहित सभी कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि आगे भी अब कोई पेंडेंसी न होने पाए। टीम बनाकर किया गया कार्य, नकल सवालों की पेंडेंसी को अतिशीघ्र समाप्त करने के लिये जिलाधिकारी श्री शशांक त्रिपाठी ने एसडीएम विवेशशील यादव को इसकी जिम्मेदारी दी। एसडीएम विवेकशील यादव ने आरआरके लक्ष्मी प्रसाद वर्मा, राम चन्द्र यादव, ए आर के देही, दीप्ति डुबे, प्रियंका श्रीवास्तव, तौसीफ फातिमा, कुलदीप कुमार वर्मा, साकेत वर्मा, आनंद प्रताप सिंह लेखपाल, सचिन बाजपेई, पंकज साहू, मुकेश गिरि, नागेंद्र शुक्ला, कंधई लाल, हरिबख्श सिंह आदि के सहयोग से इस कार्य को महज 20 दिनों में पूरा करवाया। आज की तारीख में नकल सवाल सम्बंधी को प्रार्थना पत्र पेंडिंग नहीं है।

2 दिन, 568 ट्रेंने और 28 लाख यात्री, इस इंतजाम के बाद वॉर रूम से रेल मंत्री ने दिया नया निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। महाकुंभ में ट्रेनों से आने-जाने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधाओं पर नई दिल्ली स्थित रेल भवन में बने वॉर रूम से नजर रखी जा रही है। बुधवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वॉर रूम पहुंचे। उन्होंने वहां पहुंचकर प्रयागराज के आठ रेलवे स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन की स्थिति की समीक्षा की। इस बीच रेल मंत्री ने सभी दिशाओं में तीर्थयात्रियों के लिए ट्रेनें उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

रेल मंत्रालय के मुताबिक, प्रयागराज से दो दिनों में 568 ट्रेन चलाई गईं। इनमें 27.08 यात्रियों ने सफर किया। इनमें 12 फरवरी को शाम छह बजे तक 225 ट्रेनें चलाई गईं, जिनमें 12.46 लाख से अधिक यात्रियों ने सफर किया। इससे पहले मंगलवार यानी 11 फरवरी को 343 ट्रेनों में 14.69 लाख से अधिक यात्रियों ने यात्रा की।

दिया अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का निर्देश

रेल मंत्री ने अश्विनी वैष्णव, सीईओ और सीआरबी सतीश कुमार के साथ बुधवार रात करीब 9 बजे रेल भवन के वॉर रूम पहुंचे। उन्होंने प्रयागराज की गाड़ियों की मॉनिटरिंग कर अधिकारियों महाकुंभ के श्रद्धालुओं को पूरी सुविधा दिए जाने के निर्देश दिए। साथ ही स्पेशल गाड़ियों का लगातार परिचालन किए जाने को भी कहा। रेल मंत्री ने प्रयागराज मंडल को यात्रियों की भीड़भाड़ कम करने और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का निर्देश दिया।

चालू किए गए चार होल्डिंग एरिया

मंत्रालय के अनुसार, भारतीय रेलवे द्वारा ट्रेनों से संबंधित जानकारी विशेष बुलेटिन, महाकुंभ क्षेत्र होल्डिंग जोन, रेलवे स्टेशन, सोशल मीडिया और अन्य मीडिया आउटलेट सहित विभिन्न चैनलों के माध्यम से लगातार प्रदान की जा रही है। मंत्रालय की ओर से बताया गया है कि यात्रियों की सुविधा के लिए प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन के पास 5 हजार की क्षमता वाले चार होल्डिंग एरिया पूरी तरह से चालू हो गए हैं। मंत्रालय ने कहा, इसके अलावा, माघी पूर्णिमा के अवसर पर खुसरोबाग में 100,000 यात्रियों की क्षमता वाला एक नया होल्डिंग एरिया चालू हो गया है, जिसमें ठहरने, भोजन और अन्य आवश्यक चीजों की विशेष व्यवस्था की गई है।

अधिकारी बनकर फ्रॉड से ऐंठे रुपए पीड़ित को वापस

बाराबंकी। साइबर सेल, ऑनलाइन शिकायती प्रार्थना पत्र हुआ, जिसमें साइबर अपराधियों द्वारा आवेदक सर्वजीत सिंह पुत्र मनोहर सिंह निवासी थाना कोतवाली नगर द्वारा साइबर अपराधियों के विरूद्ध फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर 1,45,000 रूपये का फ्रॉड होने का उल्लेख किया गया। संदर्भित प्रकरण में तत्काल साइबर क्राइम थाना द्वारा साइबर तकनीकी का प्रयोग कर संबंधित मर्चेंट से पत्राचार कर सम्पूर्ण धनराशि 1,45,000 रूपये आवेदक के खाते में वापस कराया गया।

यमुना एक्सप्रेसवे पर फिर बढ़ेगी रफ्तार, अब कितनी होगी टॉप स्पीड?

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के यमुना एक्सप्रेसवे पर अगले हफ्ते से एक बार फिर वाहन तेज रफ्तार में चल सकेंगे सकेंगे। एक्सप्रेसवे प्रबंधन ने ठंड और घने कोहरे को देखते हुए गति सीमा नियम लागू कर दिया था, जिसमें एक्सप्रेसवे पर चलने वाली गाड़ियों की स्पीड कम कर दी गई थी। हालांकि, एक बार फिर से यात्री पुरानी गति के मुताबिक, गाड़ियां चला सकेंगे। सर्दियों में घने कोहरे की वजह से दृश्यता बेहद कम हो जाती है। जिस कारण एक्सीडेंट की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। इन्हीं हादसों को कम करने के लिए गाड़ियों की स्पीड कम करने का फैसला लिया गया था।

यमुना एक्सप्रेसवे पर 16 फरवरी से गति सीमा नियम वापस हो जाएगा। इस नियम में एक्सप्रेसवे में चलने वाले वाहनों की गति कम कर दी गई थी, लेकिन अब एक बार फिर से इस नियम को वापस ले लिया जाएगा। सर्दियों में घने कोहरे के कारण दृश्यता बहुत कम हो जाती थी। जिस कारण से हादसा की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। यमुना एक्सप्रेसवे प्रबंधन ने गति सीमा कम करने की योजना बनाकर 15 दिसंबर को लागू कर दिया गया था।

पेट्रोलिंग गाड़ियों की बढ़ाई थी संख्या

इस दौरान प्रबंधक ने कई अन्य तरह की तैयारियां भी की थी। सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को अस्पताल पहुंचने के लिए नंबर जारी किए गए थे। टीमों को तैनात किया गया था। ओवरलोड वाहनों पर नकेल कसने के लिए जीरो प्वाइंट से जेवर टोल प्वाइंट तक चार टीमों का गठन किया था। साथ ही एक्सप्रेसवे पर पेट्रोलिंग करने वाली गाड़ियों की संख्या 11 से बढ़ाकर 15 कर दी गई थी। सभी वाहनों में रिफ्लेक्टर टेप चिपकाने को लेकर भी प्रबंधक ने अभियान चलाया था।

पहले की तरह हुई यमुना एक्सप्रेसवे की स्पीड

एक्सप्रेसवे के वरिष्ठ प्रबंधक जेके शर्मा ने बताया कि 16 फरवरी से गति सीमा को छोड़कर अन्य सभी व्यवस्था जारी रहेगी। पहले की तरह हल्के वाहन की स्पीड 100 किलोमीटर प्रति घंटा और भारी वाहन की स्पीड 80 किलोमीटर प्रति घंटा हो जाएगी, जो कि 15 दिसंबर 2024 से 75 किलोमीटर और 60 किलोमीटर प्रति घंटा हो गई थी।

गंदे कपड़े, भिखारी जैसा वेश तलाशी में निकले लाखों के सोने के सिक्के

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा पुलिस ने धोखाधड़ी करने वाले गैंग का खुलासा किया है। सदर बाजार पुलिस ने बताया कि वह पिछले कुछ दिनों से ऐसे गिरोह की तलाश कर रहा था, जो खुद को पति पत्नी बताकर सोने व्यापारियों से ठगी करते थे। ऐसे में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक महिला और पुरुष को पकड़ा है। पुलिस ने दोनों के पास से लाखों की नगदी और सोने के सिक्के बरामद किए है।

सदर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, उन्हें इलाके के एक ज्वेलर्स से सूचना मिली थी कि उसके साथ एक जोड़े ने धोखाधड़ी की है। ऐसे में पुलिस ने शिकायत दर्ज कर। पुलिस ने जांच करते हुए दोनों को पकड़ा है और कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेज भेज दिया है।

10-10 हजार रुपए का था इनाम

पुलिस ने बताया कि दोनों ने पूछताछ में बताया कि वो सोने के सिक्के गिरवी रखकर ज्वेलर्स से धोखाधड़ी करते थे। पहले असली सोने के सिक्के गिरवी रखवाते थे, ज्वेलर्स का भरोसा जितने के बाद नकली सोने के सिक्के गिरवी रखा देते थे। पुलिस ने बताया कि दोनों के पास से 4 लाख से अधिक कैश और कुछ ज्वेलरी बरामद की गई है। इन दोनों पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। साथ ही ये भी बताया कि दोनों रिश्ते में पति पत्नी नहीं हैं, लेकिन व्यापारियों को विश्वास दिलाने के लिए खुद को पति पत्नी बताते थे।

नकली सोना गिरवी रखवा हो जाते थे गायब

सदर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि बाजार के एक सोने व्यापारी ने खुद के साथ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। व्यापारी ने बताया था कि उसके पास पति पत्नी आए और दोनों ने उन्हें सोने का सिक्का गिरवी रखवाया, फिर थोड़े दिन में आए और नकली सोना गिरवी रख मोटी रकम लेकर गायब हो गए। व्यापारी की शिकायत पर उन्होंने मामला दर्ज किया था।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत कानपुर मंडल की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

कानपुर । मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत मंडलायुक्त के० विजयेन्द्र पाण्डियन की अध्यक्षता में कानपुर मंडल की समीक्षा बैठक की गई बैठक का संचालन सुनील कुमार संयुक्त आयुक्त उद्योग कानपुर मंडल द्वारा किया गया बैठक के दौरान कानपुर मण्डल के अंतर्गत समस्त जिलों के उपायुक्त उद्योग एवं अग्रणी जिला प्रबंधक एवं बैंक के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहें बैठक में मंडलायुक्त द्वारा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत बैंकों द्वारा प्राप्त आवेदनों के सापेक्ष सम्पूर्ण ऋण वितरण/ निस्तारण न किये जाने पर असंतोष व्यक्त किया गया मंडलायुक्त द्वारा सभी बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि वे प्राप्त आवेदन के सापेक्ष 100 प्रतिशत ऋण वितरण कराना

'पति जबरन बनाता है संबंध, रूम में लगवाया कैमरा... दूसरी महिलाओं के साथ का भी भेजता है Video', पत्नी की आपबीती

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक पत्नी ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पत्नी ने आरोप लगाया है कि उसका पति उसके साथ मारपीट करता है। इसके साथ ही जबरदस्ती अप्राकृतिक यौन संबंध बनाता है। सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि उसके बेडरूम में छुपा कर एक कैमरा भी लगा रखा है। पत्नी का आरोप है कि उसका पति दूसरी महिलाओं के साथ संबंध बनाता है और उसका वीडियो शूट करके उसे भेजता है। पुलिस ने पूरे मामले में पति और देवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

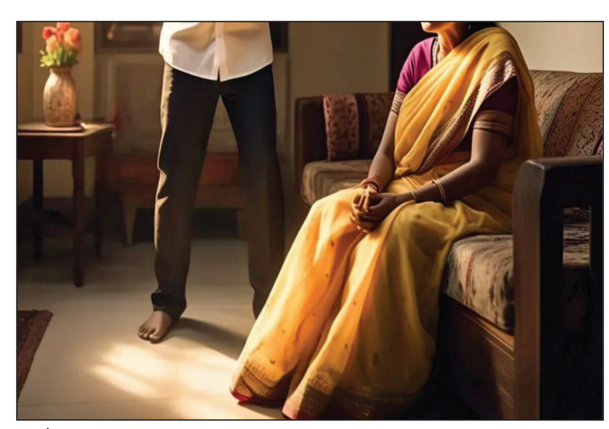

9 साल पहले कानपुर के पॉश इलाके स्वरूप नगर निवासी महिला की शादी रावतपुर निवासी प्रॉपर्टी डीलर से हुई थी। यह शादी कानपुर में न होकर नैनीताल के एक मंदिर में हुई थी। महिला के मुताबिक उसके ससुरालवालों ने कहा था कि कानपुर में पैसा बहुत खर्च होगा। इसलिए थोड़े पैसे दीजिए, जिससे नैनीताल में कम खर्चे में शादी कर लेंगे। महिला का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसके पति और देवर पैसे की मांग करते हुए उसके साथ मारपीट करते थे।

बेडरूम में खुफिया कैमरा लगाया

महिला ने आरोप लगाते हुए कहा कि उसका पति शराब पीकर घर आता था और उसके साथ जबरदस्ती अप्राकृतिक यौन संबंध बनाता था। शादी बचाने और लोक लाज के कारण वो सब कुछ चुपचाप सहती रही। महिला के अनुसार कुछ समय पहले उसको पता चला कि उसके बेडरूम में खुफिया कैमरा लगाया गया है। इसका विरोध करने पर पति ने फिर से उसके साथ मारपीट की। यहां तक कि अपने स्त्री धन से जो लोन उसने लिया था। वो भी जबरदस्ती उसके पति ने ले लिया।

देवर और पति के खिलाफ केस

महिला का आरोप है कि उसके पति के कई महिलाओं के साथ संबंध हैं, जिसको उसका पति खुलेआम स्वीकार करता है। यहां तक कि वो महिलाओं के संबंध बनाते हुए वीडियो शूट करता था और उसके पास भेजता था। महिला का आरोप यह भी है कि उसके पति की एक शादी पहले हो चुकी थी और यह बात छिपाकर पति ने उसके साथ शादी की थी। पहली शादी की बात उसको बाद में पता चली। महिला की तहरीर पर स्वरूप नगर थाने में पति और देवर के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद खुली मरीज के आंखों की पट्टी, बगल के बेड पर बैठी मिली लापता पत्नी

आर्यावर्त संवाददाता

उन्नाव। यूपी के उन्नाव जिले में एक भावनात्मक माहौल उस समय देखने को मिला जब मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने गए एक शख्स ने जब अपनी आंखें खोली तो बगल के बेड पर 22 दिनों से लापता उसकी पत्नी लेटी मिल गई।पत्नी को अपनी आंखों के सामने देख युवक हैरान रह गया। युवक ने अपनी पत्नी को ढूंढने की बहुत कोशिश की थी, लेकिन उसके के बाद भी उसका पता नहीं चल सका। हालांकि पत्नी अपने पति को पहचान नहीं सकी क्योंकि सर पर चोट लगने की वजह से उसकी याददाश्त चली गई है।

उन्नाव शहर के केवटा तालाब निवासी 50 वर्षीय राकेश कुमार की पत्नी शांति 13 जनवरी को घर से कहीं चली गई थी। पत्नी के गायब होने पर पति राकेश ने उसकी काफी तलाश की। नाते रिश्तेदारी और अपने आसपास के जिलों में भी तलाश किया, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। ऐसे में पति ने पत्नी की गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने पर लिखवाई और थक हारकर राकेश अपने घर न जाकर अपने एक मित्र के यहां रहने लगा था।

22 दिन के बाद लापता पत्नी से यूं हुई मुलाकात

राकेश की आंखों में कुछ दिनों में दिक्कत होने लगी तो उन्होंने जिला अस्पताल में वाहन स्टैंड चलाने वाले अपने एक जान पहचान के एक लोग की मदद से जांच करवाई। डॉक्टर ने उन्हें ऑपरेशन के लिए कहा। ऐसे में 7 फरवरी को राकेश की आंखों का ऑपरेशन किया गया। मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद उसे वार्ड नंबर 2 शिफ्ट कर दिया गया। राकेश की आंखों में बांधी पट्टी खोली गई तो उसके कुछ देर बाद उसने एक महिला की आवाज सुनी। महिला की आवाज सुनकर राकेश चौंक गए।

पत्नी की सेवा में लग गए हैं राकेश

बगल में ही बेड होने के कारण राकेश ने जब महिला के पास जाकर देखा तो सामने बैठी उसकी पत्नी मिली जिसको देखकर वह भावुक हो गए। राकेश को क्या पता था जिस पत्नी को उसने गली गली में खोजा हो और दिन रात एक कर दिया हो और वह एक दिन अचानक उसके सामने आ गई। जिला अस्पताल में मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने के बाद राकेश अपना सारा दुख दर्द खुलकर सिर्फ पत्नी की सेवा में लग गए की किसी तरह से उनकी पत्नी ठीक हो जाए तो वह साथ साथ रहने लगे।

जिलाधिकारी ने बुजुर्ग महिला की समस्या का समाधान कर वापस दिलावाया घर

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। रोजाना की तरह जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई की जनसुनवाई के दौरान एक मामला ऐसा भी आया जिसमें एक वृद्ध माँ सुमन देवी ने शिकायत किया कि उनका बेटा कृष्ण मुरारी उन्हें गाली-गलौज करता है और जब वह वृंदावन धाम में दर्शन करने गई थी, तो उनके बेटे ने ताला तोड़कर स्वयं का ताला लगाकर उन्हें घर से बेघर कर दिया तब महिला ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया तो माननीय न्यायालय ने इस मामले को जिलाधिकारी कानपुर नगर के द्वारा निस्तारित करने का आदेश दिया इस पर मां ने विगत 5 फरवरी 2025 को जिलाधिकारी के समक्ष अपनी आप-बीती सुनाई जिस पर जिलाधिकारी ने आज मां के साथ-साथ बेटे को भी कलेक्ट्रेट में उपस्थित होने के लिए कहा था आज जब बेटा जिलाधिकारी के सामने पेश हुआ तो उन्होंने महिला के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए उनके बेटे को जमकर फटकार लगाई और उसे अपनी मां से माफी मांगने को कहा इस पर दोषी बेटा सिजदा-पाबोस होकर अपनी मां से माफी मांगने लगा यहां भी जिलाधिकारी रुके नहीं और उन्होंने बेटे को खरी-खोटी सुनाते हुए नैतिकता का पाठ पढ़ाने लगे जिस पर बेटा लज्जित व शर्मिंदा हुआ इसके उपरांत जिलाधिकारी ने बेटे से माफीनामा लिखवाया और एसीएम-7 सुरेंद्र बहादुर व पुलिस बल को वृद्ध महिला के घर भेजकर घर का ताला खुलवाया, जिससे महिला को उनके घर में प्रवेश मिल गया गौरतलब है कि दोषी बेटा तहसीलदार सदर ऑफिस में प्राइवेट जॉब करता है।

गिफ्ट ही नहीं, इस तरह से अपने पार्टनर के लिए वैलेंटाइन डे को बनाएं स्पेशल

वैलेंटाइन डे एक ऐसा दिन होता है जब आप अपने पार्टनर के साथ अपने प्यार और भावनाओं को शेयर कर सकते हैं। इस दिन पार्टनर एक दूसरे को गिफ्ट देते हैं। लेकिन आप अपने पार्टनर के लिए वैलेंटाइन डे को इन तरीकों से भी खास बना सकते हैं।

14 तारीख को वैलेंटाइन डे है। इस दिन प्यार करने वाले एक दूसरे के दिन को स्पेशल बनाने का हर मुमकिन प्रयास करते हैं। लोग अपने पार्टनर के साथ घूमने, मूवी देखने या फिर लंच पर जाते हैं। वहीं कई लोग घर पर ही कैंडल लाइट डिनर करते हैं। ज्यादातर पार्टनर इस दिन एक दूसरे को गिफ्ट देते हैं। जिससे देखते ही उन्हें पार्टनर के चेहरे पर मुस्कान आए और उन्हें स्पेशल फील है।

वहीं अगर बिना गिफ्ट दिए भी अपने पार्टनर के लिए स्पेशल बना सकते हैं। अगर आप इस दिन को अपने पार्टनर के लिए खास बनाना चाहते हैं, तो कुछ ऐसे तरीके हैं जिन्हें अपनाकर आप इसे और भी रोमांटिक और यादगार बना सकते हैं।

लव लेटर लिखें

सोशल मीडिया के दौर से पहले अपने पार्टनर के लिए लोग लव लेटर लिखा करते थे। लेकिन आप अभी भी अपने पार्टनर के लिए लव लेटर लिख सकते हैं, ये प्यार को जाहिर करने का सबसे प्यारा तरीका हो सकता है। इसमें आप अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकते हैं, उन खास लम्हों को याद कर सकते हैं जो आपने उनके साथ बिताए हैं। यह पत्र आपके प्यार की गहराई और आपके रिश्ते की मजबूती को दर्शाता है। यह एक भावनात्मक तोहफा होता है, जिसे वह हमेशा अपने पास रख सकते हैं।

खास डिनर प्लान करें

एक रोमांटिक डिनर अपने पार्टनर के साथ वैलेंटाइन डे मनाने का बेहतरीन तरीका है। आप उनके पसंदीदा व्यंजन बना सकते हैं या फिर किसी खूबसूरत रेस्तरां में उन्हें ले जा सकते हैं। इस दिन को और खास बनाने के लिए आप अपनी पसंदीदा म्यूजिक या संगीत का इंतजाम भी कर सकते हैं, जिससे माहौल और भी रोमांटिक बन सके।

एल्बम बनाएं

आपके और आपके पार्टनर के रिश्ते में जो खूबसूरत लम्हे रहे हैं, उनकी तस्वीरों का एक एल्बम बनाना भी एक बेहतरीन आइडिया है। आप उन खास तस्वीरों को चुन सकते हैं और उनपर कुछ प्यार भरे नोट्स लिख सकते हैं। यह न सिर्फ एक प्यारा तोहफा होता है, बल्कि आपके रिश्ते को मजबूत बनाने में भी मदद करता है। जब आप खुद मेहनत कर उस एल्बम को बनाएंगे तो उसे देख उन्हें ज्यादा खुशी होगी।

खास जगह पर घूमने जाएं

अगर आपका नेचर लवर है तो आप अपने पार्टनर को किसी खास तरीके से सरप्राइज दे सकते हैं, आप उन्हें सूर्योदय या सूर्यास्त के समय किसी खूबसूरत जगह पर लेकर जा सकते हैं। एक शांतिपूर्ण और प्राकृतिक वातावरण में उनके साथ समय बिताना बहुत रोमांटिक हो सकता है। यह उनके दिल को छू लेना का सबसे आसान तरीका है।

रोमांटिक मूवी नाइट

घर पर ही एक रोमांटिक मूवी नाइट आयोजित करना भी एक बेहतरीन आइडिया हो सकता है। आप अपनी और पार्टनर की पसंदीदा फिल्में या उनके पसंदीदा शो एक साथ बैठकर देख सकते हैं, साथ ही पॉपकॉर्न और उनकी पसंदीदा ड्रिंक भी तैयार कर सकते हैं। जो लोग भीड़-भाड़ वाली जगहों से दूर एक साथ शांति से अपने पार्टनर के साथ समय बिताना चाहते हैं तो आपके लिए ये ऑप्शन एकदम परफेक्ट रहेगा।

दुनिया के इन देशों में नहीं मनाया जाता है वैलेंटाइन डे, भारत के इस पड़ोसी देश का नाम भी लिस्ट में

वेलेंटाइन डे दुनियाभर में प्यार का प्रतीक माना जाता है। 7 फरवरी से शुरू होने वाला वेलेंटाइन वीक 14 फरवरी को खत्म होता है। इस दौरान प्रेमी जोड़े अपने प्यार का इजहार करते हैं। लेकिन दुनिया के ऐसे कई सारे देश हैं, जहां इस दिन को नहीं मनाया जाता है।

हर वैलेंटाइन डे 14 फरवरी को मनाया जाता है। प्रेम और दोस्ती के प्रतीक के इस दिन को दुनियाभर में सेलिब्रेट किया जाता है। कपल्स के लिए यह दिन बेहद खास होता है। 7 फरवरी से शुरू होने वाला वैलेंटाइन वीक 14 फरवरी तक चलता है। इस दौरान हर एक प्रेमी जोड़ा अपने प्रेमी से प्यार का इज़हार करता है।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया के कुछ ऐसे देश भी हैं, जहां वैलेंटाइन डे मनाना पर प्रतिबंध हैं। इन देशों में अगर कोई इस नियम का उल्लंघन करता है तो उसे कड़ी से कड़ी सजा भी मिल सकती है। आइए आपको बताते हैं कि वैलेंटाइन डे किन-किन देशों में नहीं मनाया जाता है।

सऊदी अरब

सऊदी अरब एक इस्लामिक राष्ट्र है, जहां शरिया कानून लागू होता है। यहाँ पर वैलेंटाइन डे को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया गया है। यहां की सरकार का मानना है कि यह पश्चिमी संस्कृति को बढ़ावा देता है और इस्लामी परंपराओं से मेल नहीं खाता। सऊदी अरब में वैलेंटाइन डे के दौरान फूलों, काड्र्स और चॉकलेट्स देना भी गैर-कानूनी माना जाता है।

ईरान

ईरान में भी वैलेंटाइन डे को पश्चिमी संस्कृति के तौर पर देखा जाता है। ईरान की सरकार के अनुसार, वैलेंटाइन डे का उत्सव इस्लामिक मान्यताओं के खिलाफ है। कई बार सरकारी अधिकारियों ने वैलेंटाइन डे के दिन विशेष अभियान चलाकर इससे जुड़ी चीजों को जब्त किया है। यहां तक कि मीडिया पर भी इस दिन के प्रचार पर कड़ी निगरानी रखी जाती है।

पाकिस्तान

पाकिस्तान में वैलेंटाइन डे को लेकर विवाद है। 2018 में पाकिस्तान के इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने एक आदेश दिया था, जिसमें इसे सार्वजनिक रूप से मनाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अदालत का कहना था कि यह पश्चिमी संस्कृति को बढ़ावा देने वाला एक अनुचित दिन है, जो देश की इस्लामिक संस्कृति से मेल नहीं खाता।

उज्बेकिस्तान

उज़्बेकिस्तान में भी वैलेंटाइन डे नहीं मनाया जाता है। हालांकि, साल 2012 तक यहां ऐसा नहीं था। बाद में यहां की सरकार ने वैलेंटाइन डे के जश्न मनाने पर प्रतिबंध लगा दिया। 14 फरवरी को उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय नायक और मुग़ल सम्राट बाबर का जन्मदिन होता है। इस दिन लोग वैलेंटाइन डे न सेलिब्रेट करके बाबार का जन्मदिन मनाते हैं।

किसकी याद में मनाया जाता है वैलेंटाइन डे? बड़ी रोचक है कहानी

एक सप्ताह पहले से वैलेटाईन वीक की शुरूआत हो गयी है। इस हफ्ते के आने का इंतेजार लोगों को हमेशा लगा रहता है क्योंकि इस हफ्ते में लोगों को नये हमसफर मिलते है तो वहीं पुराने हमसफरों के लिए यह हफ्ता काफी महत्व रखता है। इस हफ्ते के शुरू हाने से ही युवाओं पर प्रेम का खुमार साफ दिखने लगा है लेकिन दोस्तों बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि वैलेटाईन डे की शुरूआत कब और कहां से हुई थी। अगर बात की जाए वैलेंटाईन डे की तो इसके पीछे एक बहुत बड़ा राज छिपा है। हा ऑरिया ऑफ जैकोबस डी वॉराजिन नाम की पुस्तक के मुताबिक रोम के एक पादरी थे संत वैलेटाइन। वो दुनिया में प्यार को बढ़ावा देने में मान्यता रखते थे। उनके लिए प्रेम में ही जीवन था लेकिन इसी शहर के एक राजा क्लॉडियस को उनकी ये बात पसंद नही थी। राजा को लगता था कि प्रेम व विवाह से पुरूषों की बुद्धि और शक्ति दोनों ही खत्म होती हैं। इसी वजह से उसके राज्य में सैनिक और अधिकारी शादी नहीं कर सकते थे, लेकिन संत वैलेटाइन ने राजा क्लॉडियस के इस आदेश का विरोध किया और रोम के लोगों को प्यार और विवाह के लिए प्रेरित किया।

इतना ही नहीं उन्होंने कई अधिकारियों और सैनिकों की शादियां भी कराई। इस बात से राजा भड़का और उसने संत वैलेटाइन को 14 फरवरी 269 में फांसी पर चढ़वा दिया। उस दिन से हर साल इसी दिन को प्यार के दिन के तौर पर मनाया जाता है। अगर बात की जाए कि कैसे मनाया जाता है वैलेटाईन डे। प्यार का हफ्ता हर साल सात फरवरी से शुरू होता है और हफ्ते के सातों दिन प्रेमी प्रेमिका को व प्रेमिका प्रेमी को अलग-अलग गिफ्टस देकर मनाते हैं। वह अपने पार्टनर को कार्ड, चॉकलेट, गुलाब और गिफ्टस देकर इस दिन को सेलिब्रेट करते हैं लेकिन बढती टेक्नोलॉजी ने कार्ड की प्रथा को खत्म सा कर दिया है इसकी जगह अब ई-कार्ड ने ले ली है। वैलेटाइन डे आखिरी दिन सेलिब्रेट किया जाता है जो कि हर साल 14 फरवरी को मनाते है।

इस वैलेंटाइन डे पर अपने पार्टनर को दें अच्छी सेहत का तोहफा

फरवरी महीने के दूसरे हफ्ते से प्यार का हफ्ता शुरू हो जाता है। 7 फरवरी से वैलेंटाइन वीक की शुरुआत हो जाती है और 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। यह पूरा हफ्ता प्रेमी जोड़ों के लिए बहुत ही ज्यादा खास है। इस पूरे हफ्ते में वह एक दूसरे को कई प्रकार के गिफ्ट भी देते हैं और अपने प्यार को जाहिर करते हैं। वैलेंटाइन डे पर आप अक्सर अपने पार्टनर को फूल, चॉकलेट्स, ज्वेलरी जैसी गिफ्ट देते आ रहे हैं। पर इस वैलेंटाइन आप कुछ उनके लिए अलग कर सकते हैं। वैलेंटाइन डे पर दिए जाने वाले गिफ्ट्स को छोड़कर आप अपने पार्टनर को हेल्थ केयर और वेल बीइंग से जुड़े गिफ्ट दे सकते हैं। तो आइए जानते हैं कुछ गिफ्ट आईडिया के बारे में।

स्किन केयर प्रोडक्ट्स

अपने पार्टनर को को इस वैलेंटाइन डे पर उनके पसंदीदा स्किन प्रोडक्ट्स गिफ्ट करके आप उन्हें सरप्राइज दे सकते हैं। इस तरह की गिफ्ट को देखकर आप अपनी केयर को उनके प्रति जाहिर कर सकते हैं। आप इस स्किन केयर गिफ्ट के साथ एक प्यारा सा नोट भी रख सकते हैं जो आपके दिल की बात को बता सके।

स्मार्ट वॉच

आज कल कई लोग अपने सेहत को लेकर काफी ज्यादा सजग हो गए हैं। लोग अपने खाने पीने से लेकर अपने कदमों कि संख्या का भी ध्यान रखते हैं। आप अपने पार्टनर को स्मार्ट वॉच या फिटनेस बैंड दे सकते हैं। इसका इस्तेमाल करके वह अपनी सेहत का ख्याल रख सकते हैं।

डार्क चॉकलेट और ड्राई फ्रूट बॉक्स

अगर आप अपने पार्टनर को कुछ हेल्दी गिफ्ट करना चाहते हैं तो उन्हें हेल्दी स्नैक्स का बॉक्स गिफ्ट कर सकते हैं। आप उन्हें डार्क चॉकलेट भी गिफ्ट कर सकते हैं। इस तरह के स्नैक्स का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद है। इन चीजों का इस्तेमाल कर के आप साथ मिलकर कोई रेसिपी बना सकते हैं और अपने प्यार को और बढ़ा सकते हैं।

Wife को वैलेंटाइन डे पर गिफ्ट दें या ना दें, लेकिन ये FREE का काम किसी भी हाल में जरूर पूरा कर लें

7 फरवरी से शुरू होने वाले वैलेंटाइन वीक का आज छठां दिन है और आज दुनियाभर के कपल्स हग डे सेलिब्रेट कर रहे हैं। जिसके बाद 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे सेलिब्रेट किया जाएगा। यूं तो वैलेंटाइन वीक के सभी दिन लोग अपने-अपने पार्टनर्स को खूबसूरत गिफ्ट देते हैं लेकिन वैलेंटाइन डे का गिफ्ट सबसे खास माना जाता है। अगर आप शादीशुदा हैं और अपनी वाइफ के लिए कोई गिफ्ट प्लान कर रहे हैं तो आपको एक खास बात का भी ध्यान रखना होगा। आप बेशक अपनी वाइफ के लिए दुनिया का सबसे खूबसूरत गिफ्ट लेकर आएं। लेकिन, इसके साथ ही अपनी वाइफ की फाइनेंशियल सिक्योरिटी भी प्लान करें।

अपने सभी फाइनेंशियल अकाउंट के लिए पत्नी को बनाएं नॉमिनी

यहां हम आपको वाइफ की फाइनेंशियल सिक्यॉरिटी का एक ऐसा तरीका बताने जा रहे हैं, जिसके लिए आपको एक भी रुपया खर्च करने की जरूरत नहीं है। ये बहुत बड़ा और बहुत जरूरी काम बिना पैसों के ही हो जाता है। जी हां, हम बात कर रहे हैं फाइनेंशिल अकाउंट्स के नॉमिनेशन की। अगले पल होने वाली अनहोनी के बारे में कोई नहीं जानता। भगवान न करें, अगर आपके साथ कोई अनहोनी हो जाए और आप इस दुनिया में रहें तो आपके परिवार का क्या होगा? यही वजह है कि बैंक अकाउंट, एफडी, म्यूचुअल फंड्स, स्टॉक्स जैसे तमाम ऐसेट क्लास के लिए नॉमिनी बनाना बहुत जरूरी है।

सभी निवेश और बचत की डिटेल्स पत्नी के साथ शेयर करें

अगर आप अपने फाइनेंशियल अकाउंट्स के लिए अपनी पत्नी को नॉमिनी बनाते हैं तो आपकी मृत्यु के बाद आपके बैंक अकाउंट, एफडी, म्यूचुअल फंड्स, स्टॉक्स आदि में जमा सारा पैसा सीधे आपकी पत्नी को मिल जाएगा। अगर आप अपने फाइनेंशियल अकाउंट्स के लिए अपनी पत्नी को नॉमिनी नहीं बनाते हैं तो आपकी मृत्यु के बाद उन्हें कई तरह के दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही आपको इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि आपने जहां-जहां निवेश कर रखा है, आपकी पत्नी को उसकी पूरी जानकारी होनी चाहिए। कहीं ऐसा न हो कि आपने किसी ऐसेट क्लास में निवेश कर रखा है और आपकी पत्नी को उसकी जानकारी ही नहीं है।

अगले पल होने वाली अनहोनी के बारे में कोई नहीं जानता। भगवान न करें, अगर आपके साथ कोई अनहोनी हो जाए और आप इस दुनिया में रहें तो आपके परिवार का क्या होगा? यही वजह है कि बैंक अकाउंट, एफडी, म्यूचुअल फंड्स, स्टॉक्स जैसे तमाम ऐसेट क्लास के लिए नॉमिनी बनाना बहुत जरूरी है।

रुपए के सामने डॉलर हुआ नतमस्तक, एशिया में कभी नहीं दिखी ऐसी ताकत

मंगलवार को भारतीय रुपए में करीब एक फीसदी की तेजी देखने को मिली थी जो दो साल की सबसे लंबी छलांग थी। बुधवार को भी रुपए में डॉलर के मुकाबले में 27 पैसे ज्यादा की मजबूती देखने को मिली थी। गुरुवार को भी रुपए में डॉलर के मुकाबले में 14 पैसे ज्यादा का इजाफा देखने को मिल रहा है।

भारतीय रुपया लगातार तीसरे दिन डॉलर को पटखनी देता हुआ दिखाई दे रहा है। एशिया की दूसरी करेंसीज के मुकाबले में रुपए ने हाल के दिनों के दिनों में डॉलर के सामने ज्यादा मजबूती दिखाई है। मंगलवार से शुरू हुआ ये सिलसिला गुरुवार को भी देखने को मिल रहा है। बुधवार को कारोबारी दिन में ज्यादातर समय रुपए में तेजी देखने को मिली। लेकिन बाजार बंद होने से रुपए में गिरावट भी देखी गई। वो एक अलग बात है। जानकारों का मानना है कि आरबीआई के हस्तक्षेप और भारत में महंगाई के आंकड़ों में कमी आने और अमेरिका में भी महंगाई आंकड़े उम्मीद से ज्यादा होने की वजह से रुपए में डॉलर के मुकाबले में तेजी देखी जा रही है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में ये तेजी जारी रह सकती है।

खास बात तो ये है कि एशिया की दूसरी करेंसी फिर चाहे वो चीन हो या फिर जापान। डॉलर के सामने अभी तक वैसी हिम्मत नहीं दिखा सके हैं, जिस तरह से भारतीय रुपए ने दिखाई है। मंगलवार को भारतीय रुपए में करीब एक फीसदी की तेजी देखने को मिली थी जो दो साल की सबसे लंबी छलांग थी। बुधवार को भी रुपए में डॉलर के मुकाबले में 27 पैसे ज्यादा की मजबूती देखने को मिली थी। गुरुवार को भी रुपए में डॉलर के मुकाबले में 14 पैसे ज्यादा का इजाफा देखने को मिल रहा है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मौजूदा समय में डॉलर के भारतीय रुपया किस लेवल पर कारोबार करता हुआ दिखाई दे रहा है।

रुपए में डॉलर के मुकाबले तेजी जारी

अमेरिकी डॉलर में नरमी और विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे चढ़कर 86.81 पर पहुंच गया। फॉरेन करेंसी ट्रेडर्स ने कहा कि स्थानीय यूनिट, जो विदेशी फंड की अंतहीन निकासी के कारण दबाव में थी, को बुधवार को सरकार द्वारा जारी उम्मीद से बेहतर महंगाई आंकड़ों के कारण घरेलू इक्विटी बाजारों में कुछ सुधार के कारण समर्थन मिला।

इंटरबैंक फॉरेन करेंसी में, रुपया 86.82 पर मजबूत खुला और शुरुआती कारोबार के दौरान ग्रीनबैक के मुकाबले पिछले बंद से 14 पैसे की बढ़त के साथ 86.81 पर पहुंच गया। बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपए में 16 पैसे की गिरावट देखने को मिली और 860.95 पर बंद हुआ। मंगलवार को पिछले सत्र में, रुपया 66 पैसे मजबूत हुआ था, जो 3 मार्च, 2023 के बाद से अधिकतम एक दिन की बढ़त दर्ज करते हुए ग्रीनबैक के मुकाबले 86.79 पर बंद हुआ था।

डॉलर की ताकत हो रही है कम

इस बीच, अमेरिकी डॉलर इंडेक्स मूं गिरावट देखने को मिल रही है। डॉलर एक्सचेंज 0.22 फीसदी की गिरावट के साथ 107.59 पर कारोबार कर रहा है। आंकड़ों को देखें तो डॉलर इंडेक्स बीते एक महीने में 1.20 फीसदी की गिरावट देख चुका है। जबकि मौजूदा साल में डॉलर इंडेक्स में 0.77 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है. जबकि एक बरस में डॉलर इंडेक्स में 3.21 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। जानकारों की मानें तो अभी करेंसी मार्केट काफी अनस्टेबल है. आने वाले दिनों में डॉलर और रुपए के बीच खींचतान जारी रह सकती है. उसका प्रमुख कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ट्रेड वॉर है। जिसकी वजह से पूरी दुनिया की अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।

डॉलर में क्यों देखी जा रही है गिरावट

विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी आंकड़ों में उम्मीद से अधिक महंगाई दर्शाए जाने के बाद डॉलर कमजोर हुआ, जिससे फेडरल रिजर्व द्वारा तत्काल मौद्रिक नरमी की उम्मीदें धूमिल हो गईं। ग्लोबल मार्केट में ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 1 प्रतिशत गिरकर 74.43 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। घरेलू इक्विटी बाजार में, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 441 अंकों की तेजी के साथ 76,597.42 अंक पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 136 अंकों की तेजी के साथ 23,181.45 अंकों पर दिखाई दी। एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को शुद्ध आधार पर 4,969.30 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

एआई के क्षेत्र में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा भारत: ग्लोबल टेक लीडर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उद्योगों और ग्लोबल टेक्नोलॉजी लैंडस्केप को फिर से परिभाषित कर रहा है। साथ ही भारत इस क्रांति में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। यह बयान पेरिस में चल रही एआई एक्शन समिट में ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडर्स द्वारा दिए गए।

एआई एक्शन समिट का तीसरा संस्करण एआई गवर्नेंस के लेकर वैश्विक संवादों की सीरीज में लेटेस्ट है और इसकी सह-अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई है।

दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों के शीर्ष अधिकारी एआई क्षेत्र में भारत की बढ़ती हुई क्षमता से अवगत हैं।

ओपनएआई के सीईओ, सैम ऑल्टमैन ने कहा, भारत एआई का एक बड़ा बाजार है। साथ ही हमारी कंपनी के लिए दूसरी सबसे बड़ी मार्केट है। बीते एक वर्ष में यहां हमारे यूजर्स की संख्या तीन गुना बढ़ी है।

उन्होंने आगे कहा, भारत के लोग स्टैक, चिप, मॉडल और कई असाधारण एप्लीकेशन बना रहे हैं। एआई क्रांति में भारत को एक लीडर के रूप में उभरना चाहिए।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि एआई के क्षेत्र में भारत में फ्रंट से नेतृत्व करने की क्षमता है।

ग्लोबल टेक लीडर्स ने बताया कि अच्छा टैलेंट पूल और एआई टेक्नोलॉजी को तेजी से अपनाने के कारण भारत एआई इनोवेशन, विकास और उसे लागू करने में तेजी से आगे बढ़ने को तैयार है।

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला ने कहा, भारत इंडिक भाषाओं के क्षेत्र में और एआई का उपयोग करके अपने उद्योगों में बदलाव ला सकता है। साथ ही कहा, देश में एआई के क्षेत्र में बड़ा काम करने के लिए गणित प्रतिभा, शैक्षणिक संस्थान और अनुसंधान संस्थान हैं।

एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग ने भारत से अपनी खुद की एआई का निर्माण करने का आग्रह किया। हुआंग ने कहा कि देश में अगली पीढ़ी एआई डिलीवरी के लिए बैक-ऑफिस होगी।

आईबीएम के सीईओ अरविंद कृष्णा के अनुसार, भारत में विशाल जनसंख्या और डेटा वेल्थ एआई परिदृश्य में एक अद्वितीय लाभ बनाने में मदद करेगी।

बॉश टेक कंपास सर्वे 2025 के अनुसार, 50 प्रतिशत से अधिक भारतीयों ने एआई-संबंधित स्किल में सक्रिय रूप से स्व-शिक्षा प्राप्त की है।

एमेरिटस ग्लोबल वर्कप्लेस स्किल्स स्टडी 2025 के मुताबिक, भारत की एआई अपनाने की दर विश्व स्तर पर सबसे अधिक है, पेशेवर करियर की सफलता के लिए एआई स्किल को प्राथमिकता दे रहे हैं।

लगभग 94 प्रतिशत भारतीय पेशेवरों का मानना है कि एआई स्किल में महारत हासिल करने से उनके करियर के विकास में तेजी आएगी।

एएमडी की सीईओ लिसा सु ने कहा कि एएमडी के लिए भारत बहुत महत्वपूर्ण है और हमारी उत्पाद लाइन का हर पहलू यहां भारत में हमारे डिजाइन सेंटर से होकर गुजरता है।

सु ने आगे कहा कि भारत को एक आवश्यक विकास केंद्र माना जाता है। अमेरिका के बाद एएमडी की सबसे बड़ी अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) सुविधा बेंगलुरु में है।

शेख हसीना का प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई, यूएन ने बताया- मानवता के खिलाफ क्राइम

वॉशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के हिंसक छात्र आंदोलन का सामना करना पड़ा पड़ा था। हिंसक आंदोलन की वजह से उन्हें न केवल प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा, बल्कि देश छोड़कर भारत में शरण लेने के लिए बाध्य होना पड़ा था। अब संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ घातक हिंसा का उपयोग करके सत्ता पर काबिज होने की कोशिश की, जो "मानवता के खिलाफ अपराध" के बराबर हो सकता है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार जांचकर्ताओं ने अपदस्थ सरकार पर पिछले साल बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के लिए क्रूर प्रतिक्रिया का आरोप लगाया, जिसमें उन्होंने कहा कि 1,400 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर सुरक्षा बलों द्वारा मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र की टीम ने कहा कि "सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर हमला करने और हिंसक रूप से दमन करने की आधिकारिक नीति" राजनीतिक नेताओं और वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों द्वारा निर्देशित की गई थी। हसीना, जो 15 साल तक सत्ता में रहीं, पिछले अगस्त में भीड़ द्वारा उनके आवास पर हमला करने से कुछ समय पहले हेलीकॉप्टर से भारत भाग गईं।

यह अशांति सिविल सेवा नौकरियों में कोटा के खिलाफ छात्रों के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन के रूप में शुरू हुई और पुलिस कार्रवाई के बाद हसीना और उनकी अवामी लीग पार्टी को बाहर करने के लिए एक देशव्यापी आंदोलन में बदल गई। 1971 में स्वतंत्रता संग्राम के बाद से बांग्लादेश में सबसे भीषण हिंसा में हजारों लोग घायल हुए।

संयुक्त राष्ट्र के जांचकर्ताओं के निष्कर्षों से पता चलता है कि शेख हसीना सहित तत्कालीन सरकार "बहुत गंभीर अपराधों के बारे में जानती थी और उनमें शामिल थी", संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने जिनेवा में एक समाचार सम्मेलन में कहा कि हमारे प्रमुख निष्कर्षों में, यह मानने के लिए उचित आधार हैं कि पूर्व सरकार के अधिकारियों, उसके सुरक्षा और खुफिया तंत्र ने, पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी से जुड़े हिंसक तत्वों के साथ मिलकर गंभीर और व्यवस्थित मानवाधिकार उल्लंघन किए।

रिपोर्ट का अनुमान है कि 1 जुलाई से 15 अगस्त के बीच मारे गए 1,400 लोगों में से 13% बच्चे थे। तुर्क ने कहा, "यह क्रूर प्रतिक्रिया पूर्व सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध के बावजूद सत्ता पर काबिज रहने के लिए एक सुनियोजित और सुसंगठित रणनीति थी।" उन्होंने कहा कि उनके कार्यालय द्वारा एकत्र किए गए साक्ष्य "बड़े पैमाने पर राज्य हिंसा और लक्षित हत्याओं की एक परेशान करने वाली तस्वीर पेश करते हैं।"

'हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत-अमेरिका के लिए चीन से सबसे बड़ा खतरा', अमेरिकी विशेषज्ञ का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज में भारत और उभरते एशिया अर्थशास्त्र के अध्यक्ष रिचर्ड रोसो ने कहा है कि भारत और अमेरिका दोनों इस बात को समझते हैं कि चीन इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सबसे बड़ा खतरा है। इसके साथ ही, दोनों देश इस बात को लेकर चिंतित हैं कि नई और महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी के लिए चीन पर ज्यादा निर्भरता खतरनाक हो सकती है।

'दोनों देशों की चिंताओं का केंद्र अलग-अलग'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बैठक से पहले रिचर्ड रोसो ने कहा कि दोनों देशों की चिंताओं का मुख्य केंद्र थोड़ा अलग है - भारत के लिए मुख्य चिंता उसकी सीमा और हिंद महासागर क्षेत्र है, जबकि अमेरिका के लिए ताइवान स्ट्रेट, दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर ज्यादा अहम हैं।

व्यापार को लेकर अमेरिका का रुख क्या रहेगा?

रिचर्ड रोसो ने यह भी कहा कि यह देखना अहम होगा कि राष्ट्रपति ट्रंप भारत में उत्पादन निवेश को बढ़ाने में मदद करेंगे या अमेरिका में ही निवेश लाने पर जोर देंगे। अमेरिका और भारत के व्यापारिक संबंधों को लेकर उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के अच्छे संबंध हैं, लेकिन ट्रंप के पिछले कार्यकाल में व्यापार को लेकर कुछ तनाव भी थे। उन्होंने बताया कि ट्रंप प्रशासन ने कई देशों पर टैरिफ (आयात शुल्क) बढ़ाने की धमकी दी थी, लेकिन भारत को अब तक कुछ हद तक इससे राहत मिली है।

पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की बैठक से क्या उम्मीद?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर अमेरिका दौरे पर जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने फ्रांस की तीन दिवसीय यात्रा पूरी की। यह पीएम मोदी की डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में पहली अमेरिका यात्रा होगी। बता दें कि, अपने अमेरिकी दौरे पर रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में हमने भारत-अमेरिका संबंधों को एक 'व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक पहुंचाया। अब इस यात्रा के दौरान हम इस सहयोग को और आगे बढ़ाने पर काम करेंगे।' इस दौरे में तकनीक, व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और सप्लाई चेन मजबूत करने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। इससे पहले, भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया था और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की थी। जिसके बाद उन्होंने क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भी भाग लिया था।

फ्रांस के राष्ट्रपति और फर्स्ट लेडी को पीएम मोदी ने दिए ये तोहफे, जेडी वेंस के बच्चों को भी दिया गिफ्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस से अब अमेरिका पहुंच चुके हैं, लेकिन चलते-चलते पीएम ने फ्रांस के राष्ट्रपति और वहां की प्रथम महिला को अनूठे गिफ्ट दिए है। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस की पीएम एलिजाबेथ बर्न और फ्रांसीसी सीनेट के अध्यक्ष जेरार्ड लार्चर को भारत के पारंपरिक उपहार दिए। इतना ही नहीं, पीएम मोदी ने अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस के बच्चों को भी कई उपहार दिए।

इन उपहारों के जरिए पीएम फ्रांस में भारत के कई प्रदेशों की छाप छोड़कर आए हैं। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति को छत्तीसगढ़ तो वहीं, फ्रांस की प्रथम महिला को रजस्थान की मशहूर नक्काशी भेंट की। इसके साथ ही पीएम मोदी ने जेडी वेंस की एक बेटी और दोनों बेटों के दिलों में भी भारत की कला की रोचकता को प्रदर्शित किया। आइए इस खबर में जानते हैं कि पीएम ने उनको क्या-क्या उपहार दिए है।

छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध डोकरा कला

पीएम ने फ्रांस के राष्ट्रपति को एक खास उपहार के रूप में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक डोकरा कला से बनी एक अनूठी कृति भेंट की है। यह कलाकृति पारंपरिक संगीतकारों को दर्शाती है और इसमें लैपिस लाजुली और मूंगा (कोरल) के अलंकरण किए गए हैं, जिससे इसकी सुंदरता और बढ़ जाती है।

डोकरा कला भारत की प्राचीन 'लॉस्ट-वॉक्स' धातु ढलाई तकनीक पर आधारित है, जो पीढ़ियों से चली आ रही है। इस कलाकृति को पीतल और तांबे से निर्मित किया गया है, जिसमें बेहद बारीक नक्काशी की गई है। यह न केवल भारत की समृद्ध जनजातीय विरासत को दर्शाती है बल्कि पारंपरिक संगीत के महत्व को भी उजागर करती है। यह उपहार भारतीय कला, संस्कृति और हस्तशिल्प की उत्कृष्टता को दर्शाते हुए दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने का प्रतीक है।

राजस्थान की नक्काशी

पीएम ने फ्रांस की प्रथम महिला को एक अनमोल उपहार के रूप में राजस्थान की पारंपरिक चांदी की नक्काशीदार टेबल मिरर भेंट किया है। यह शीशा राजस्थानी शिल्प कौशल और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। इस दर्पण की चांदी की रूपरेखा पर बारीक नक्काशी में पुष्प और मोर के सुंदर डिजाइन उकेरे गए हैं, जो सौंदर्य, प्रकृति और शिष्टता के प्रतीक माने जाते हैं।

इसे कुशल कारीगरों द्वारा बेहद सावधानीपूर्वक उकेरा और चमकदार फिनिश के साथ तैयार किया गया है, जिससे यह सिर्फ एक दर्पण नहीं बल्कि एक कलात्मक धरोहर भी बन गया है। यह राजस्थानी धातु-कला की समृद्ध परंपरा का जीवंत उदाहरण है, जो भारतीय हस्तशिल्प की उत्कृष्टता को दर्शाता है। यह उपहार भारत और फ्रांस के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और प्रगाढ़ करने का प्रतीक है।

पारंपरिक लकड़ी का रेलवे खिलौना सेट

पीएम ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति के बेटे विवेक वांस को हस्तनिर्मित लकड़ी का रेलवे खिलौना सेट उपहार स्वरूप भेंट किया है। यह खिलौना पारंपरिक भारतीय शिल्पकला और पर्यावरण संरक्षण के मूल्यों को दर्शाता है। प्राकृतिक लकड़ी से निर्मित यह खिलौना बिल्कुल सुरक्षित और टिकाऊ है। इसे पर्यावरण के अनुकूल सब्जियों और पौधों से बने प्राकृतिक रंगों से सजाया गया है।

इसमें पीला (हल्दी), लाल (चुकंदर), नीला (नील) और हरा (पालक या नीम) जैसे प्राकृतिक रंग शामिल हैं, जो इसे आकर्षक और सुरक्षित बनाते हैं। यह रेलवे खिलौना भारतीय कारीगरों की हस्तशिल्प परंपरा, रचनात्मकता और शिल्प कौशल का प्रतीक है। यह न केवल बच्चों के लिए एक मनोरंजक खेल का साधन है बल्कि पर्यावरण-अनुकूल भारतीय शिल्पकला की समृद्ध विरासत का भी प्रतीक है।

भारतीय लोक कला का जिग्सॉ पजल

पीएम ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति के बेटे इवान ब्लेन वांस को भारतीय लोक चित्रकला पर आधारित जिग्सॉ पजल उपहार स्वरूप भेंट किया है। यह अनूठा पजल भारत की समृद्ध कलात्मक विरासत को दर्शाता है और विभिन्न पारंपरिक चित्रकला शैलियों को प्रस्तुत करता है। इस पजल में तीन प्रमुख भारतीय लोक कलाएं शामिल हैं। कलिघाट पट चित्रकला (पश्चिम बंगाल), जो मोटे रेखाचित्रों, चमकीले रंगों और पौराणिक कथाओं से प्रेरित होती है। संथाल चित्रकला, जिसे संथाल जनजाति द्वारा बनाया जाता है और जो प्राकृतिक रंगों व आदिवासी जीवन के चित्रण से जुड़ी होती है। वहीं, मधुबनी चित्रकला (बिहार), जो अपनी जटिल डिजाइनों और चमकीले रंगों के साथ प्रकृति व धार्मिक कथाओं को दर्शाती है।

यह पजल न केवल भारत की सांस्कृतिक विविधता का परिचय देता है बल्कि कलात्मक और शैक्षिक अनुभव भी प्रदान करता है, जिससे भारतीय कला की वैश्विक पहचान को और बढ़ावा मिलता है।

लकड़ी का अल्फाबेट सेट

पीएम ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति की बेटी मिराबेल रोज वांस को एक लकड़ी का अल्फाबेट सेट उपहार स्वरूप भेंट किया है। यह पारंपरिक भारतीय हस्तकला और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का प्रतीक है। यह इको-फ्रेंडली लकड़ी का अल्फाबेट सेट न केवल मजबूत और टिकाऊ है, बल्कि बच्चों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित भी है। प्लास्टिक के विपरीत, इसमें कोई हानिकारक रसायन नहीं होते, जिससे यह स्वास्थ्य के अनुकूल और पर्यावरण-संरक्षण में सहायक बनता है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में वधावन बंधुओं को जमानत, कोर्ट ने लंबी जेल और दूरगामी मुकदमे का दिया हवाला

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2020 के यस बैंक मनी लॉन्ड्रिंग केस के सिलसिले में डीएचएफएल के प्रमोटर धीरज और कपिल वधावन को जमानत दे दी। हाईकोर्ट ने कहा कि वे लंबे समय से जेल में हैं और मुकदमा जल्द शुरू होने की संभावना नहीं है। न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव की एकल पीठ ने बुधवार को दोनों भाइयों को एक-एक लाख रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी। पीठ ने कहा कि दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (डीएचएफएल) के प्रमोटर चार साल और नौ महीने से हिरासत में हैं और निकट भविष्य में मुकदमा शुरू होने की कोई संभावना नहीं है।

हाईकोर्ट ने कहा, 'एक विचाराधीन कैदी को इतनी लंबी अवधि तक हिरासत में रखना संविधान के अनुच्छेद 21 से प्राप्त त्वरित सुनवाई के उसके मौलिक अधिकार का उल्लंघन है।' अदालत ने कहा, 'मेरी राय में, आवेदकों (वाधवान) को और अधिक कारावास की आवश्यकता नहीं है और वे इस स्तर पर मामले की योग्यता में प्रवेश किए बिना जमानत के हकदार हैं।'

हाईकोर्ट ने आदेश दिया, मुकदमे की वर्तमान स्थिति और निकट भविष्य में इसके निष्कर्ष पर पहुंचने की संभावना नहीं होने और मुकदमे से पहले कारावास को देखते हुए, आरोपी व्यक्तियों को जमानत दी जाती है। पीठ ने कहा कि भाइयों पर ऐसे अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया है, जिनमें अधिकतम सात साल की सजा हो सकती है। हाईकोर्ट ने कहा, इस मामले में वाधवान मई 2020 से हिरासत में हैं। यह लगभग चार साल और नौ महीने है, जो कि दोषसिद्धि पर लगाए जाने वाले कारावास की अधिकतम अवधि के आधे से भी अधिक है।

मई 2020 से जेल में हैं वधावन बंधु

अदालत ने विशेष अदालत की तरफ से पारित किए गए आदेशों पर भी गौर किया, जो मामले में सुनवाई करेगी। इसने कहा कि कार्यवाही में देरी के लिए केवल आवेदकों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है, जब 'प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से मई 2023 में ही मसौदा आरोप प्रस्तुत किए जाने के बावजूद मामले में आरोप भी तय नहीं किए गए हैं'। धीरज वधावन और कपिल वधावन ने ईडी की तरफ से मार्च 2020 में उनके खिलाफ दर्ज धन शोधन मामले में जमानत मांगी थी। वे मई 2020 से जेल में हैं।

लंबी कैद के आधार पर राहत मांगी

दोनों ने लंबी कैद के आधार पर राहत मांगी और कहा कि वे अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों के तहत अधिकतम सजा का आधा से अधिक हिस्सा पहले ही काट चुके हैं। उनके वकील अमित देसाई ने तर्क दिया था कि वधावन को अधिकतम सात साल की सजा हो सकती है और वे पहले ही चार साल से अधिक की प्री-ट्रायल कैद काट चुके हैं। देसाई ने आगे कहा था कि मामले में ईडी की जांच अभी भी लंबित है और इस बारे में कोई सूचना नहीं है कि जांच कब पूरी होगी और मुकदमा कब शुरू होगा। दोनों ने कहा कि उन्हें त्वरित न्याय और स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार है।

फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर घोटाला, ईडी ने 30 से ज्यादा बैंक खातों में 170 करोड़ किए फ्रीज

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फॉरेक्स ट्रेडिंग और मल्टी-लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) के नाम पर लोगों को चूना लगाने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने क्यूएफएक्स ट्रेड लिमिटेड और उससे जुड़ी अन्य कंपनियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच शुरू और 170 करोड़ रुपये फ्रीज किए। इसके अलावा 90 लाख रुपये नकदी में बरामद किए हैं। कंपनियों के निदेशकों में राजेंद्र सूद, विनीत कुमार और संतोष कुमार के अलावा एक मास्टरमाइंड नवाब अली उर्फ लविश चौधरी का नाम शामिल है।

ईडी की टीम ने 11 फरवरी को दिल्ली, उत्तर प्रदेश के नोएडा और शामली और हरियाणा के रोहतक में विभिन्न परिसरों पर छापे मारे। इस दौरान ईडी ने 30 से ज्यादा बैंक खातों में जमा 170 करोड़ रुपये फ्रीज कर दिए। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने क्यूएफएक्स ट्रेड लिमिटेड के खिलाफ कई शिकायतें दर्ज होने के बाद ईडी ने इस घोटाले की जांच शुरू की थी।

प्रवर्तन निदेशालय ने कहा, 'ईडी चंडीगढ़ जोनल कार्यालय ने 11 फरवरी को पीएमएलए, 2002 के तहत दिल्ली, नोएडा, रोहतक और शामली (यूपी) में विभिन्न स्थानों पर क्यूएफएक्स ट्रेड लिमिटेड और अन्य के मामले में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी अभियान के दौरान 90 लाख रुपये से अधिक की नकदी, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस बरामद और जब्त किए गए, इन फर्जी कंपनियों के 30 से अधिक बैंक खातों में जमा 170 करोड़ रुपये की चल संपत्ति जब्त की गई।'

अमानतुल्लाह को राहत, 24 फरवरी तक गिरफ्तारी पर रोक ; कोर्ट ने जांच में शामिल होने के लिए कहा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) विधायक अमानतुल्लाह खान ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। जिसके बाद राउज एवेन्यू कोर्ट में आप विधायक की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने अमानतुल्लाह खान की गिरफ्तारी पर 24 फरवरी तक रोक लगा दी है। कोर्ट ने अमानतुल्लाह को जांच में शामिल होने के लिए कहा है। जामिया नगर में पुलिस टीम पर हमले का कथित तौर पर नेतृत्व करने के आरोप में अमानतुल्लाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। ओखला से विधायक अमानतुल्लाह खान व उनके समर्थकों के खिलाफ सोमवार को पुलिस टीम पर हमला करने, दंगा भड़काने और सरकारी काम में बाधा डालने आदि धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। यह कार्रवाई अपराध शाखा की टीम की गिरफ्त से हत्या के प्रयास के आरोपी शाबाज खान को छुड़ाने पर की गई। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त रवि कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम देर शाम को पूछताछ करने विधायक के घर गई थी, लेकिन वह नहीं मिले। दरअसल अपराध शाखा की टीम जामिया नगर में बदमाश को पकड़ने गई थी। विधायक की मौजूदगी में पुलिस कार्रवाई में बाधा डाली गई। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अपराध शाखा में तैनात इंस्पेक्टर सुनील कालखंडे की टीम पर हमला कर हत्या के प्रयास के आरोपी को छुड़ा लिया गया। विधायक भी उस समय वहां मौजूद थे। दिल्ली विधानसभा चुनाव में ओखला सीट से आम आदमी पार्टी के नेता अमानतुल्लाह खान ने 23 हजार से ज्यादा के अंतर से जीत दर्ज की। यहां उन्होंने भाजपा के मनीष चौधरी को हराया। मनीष को कुल 65304 वोट मिले, अमानतुल्लाह को कुल 88943 वोट मिले।

समय रैना को साइबर सेल का समन, 17 फरवरी को बुलाया

नई दिल्ली। 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के एपिसोड में की गई यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की आपत्तिजनक टिपण्णी के मामले में महाराष्ट्र साइबर सेल ने अब दूसरा समन जारी कर दिया है। यह समन शो के मेकर, होस्ट और कॉमेडियन समय रैना को लेकर जारी किया गया है। कॉमेडियन को 17 फरवरी को जांच अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। इस खबर में जानिए अब इस मामले में समय के पास क्या विकल्प हैं।

वकील ने कहा था- 17 मार्च को लौटेंगे

इससे पहले बुधवार को समय रैना के वकील ने साइबर सेल को जानकारी दी थी कि कॉमेडियन इस वक्त अमेरिका में हैं और 17 मार्च को वापस लौटेंगे। बता दें कि हाल ही में समय रैना ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा कि उन्होंने अपने सारे वीडियो डिलीट कर दिए हैं।

कॉमेडियन को अपना दौरा रद्द करना होगा

समय इन दिनों अपने यूएस और कनाडा दौरे में व्यस्त हैं। 6 फरवरी से डलास में शुरू हुआ यह दौरा 2 मार्च को शिकागो में खत्म होना था। हालांकि, अब जब समय के खिलाफ समन जारी हो गया है तो उन्हें अपना दौरा रद्द करके देश वापस लौटना होगा।

अगर समय नहीं लौटे तो क्या?

अगर समय रैना, समन के मुताबिक अपना दौरा रद्द करके देश वापस नहीं लौटे या उन्हें अदालत से राहत नहीं मिली तो ऐसी स्थिति में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वॉरंट जारी करने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

असम पुलिस ने भी भेजा पांचों जजेस को समन

इसी बीच असम पुलिस ने भी यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया और आशीष चंचलानी को समन भेजा है। असम पुलिस के एक सीनियर ऑफिशियल की मानें तो शो के इस एपिसोड में मौजूद रहे जसप्रीत सिंह, अपूर्वा मखीजा और समय रैना के खिलाफ भी समन जारी किया गया है। अर्पूवा से तो मुंबई पुलिस इस मामले में पूछताछ भी कर चुकी है।

'कंफर्ट जोन ही आपका दुश्मन है', रकुल प्रीत सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कही ऐसी बात

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह अपनी आगामी फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। रकुल ने अब अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा की है, इसमें मोटिवेशन कोट लिखा है। रकुल ने पोस्ट में लिखा कि हमारा कंफर्ट जोन हमें अच्छा तो लगता है लेकिन ये हमें आगे नहीं बढ़ने देता है।

कंफर्ट जोन ही आपका दुश्मन है

अभिनेता रकुल प्रीत सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने मन के विचार साझा किए हैं। उन्होंने पोस्ट किया- आपका कंफर्ट जोन ही आपका दुश्मन है। यह बहुत अच्छी जगह है लेकिन यह आपको प्रगति नहीं करने देता। रकुल प्रीत सिंह की पोस्ट को फैंस ने बहुत पसंद किया है। कैप्शन में रकुल ने लिखा कि जो है, सो है।

हिंदी फिल्मों में करना था काम

रकुल प्रीत ने एक इंटरव्यू में कहा था की बचपन से उनका सपना हिंदी फिल्मों में ही करियर बनाना था। उनका साउथ में काम करना एक खूबसूरत इत्तेफाक है। साउथ सिनेमा में अपना परचम लहराने के बाद रकुल ने 2014 में फिल्म 'यारियां' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

रकुल प्रीत सिंह, अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर की फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' फिल्म 21 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को बड़े पर्दे के साथ ओटीटी पर भी रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म का निर्देशन कमान मुदस्सर अजीज ने संभाली है। वे इससे पहले 'पति पत्नी और वो', 'हैप्पी भाग जाएगी' और 'खेल खेल में' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। रकुल प्रीत सिंह 'दे दे प्यार दे 2', 'इंडियन 3' जैसी आगामी फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

शाहरुख-सलमान के साथ काम नहीं करना चाहते निखिल आडवाणी, बोले- 'बड़े बजट की फिल्म बनाना नहीं आता'

निर्देशक निखिल आडवाणी ने सलमान खान, शाहरुख खान और अक्षय कुमार के साथ कई फिल्में बनाईं। एक इंटरव्यू के दौरान निखिल ने कहा कि उन्हें अब सुपरस्टार्स के साथ फिल्म बनाना ही नहीं आता है। निखिल ने कहा कि इन सितारों से प्रशंसक बॉक्स ऑफिस पर बड़ी कमाई की उम्मीद करते हैं। ऐसे में वह इन सितारों के साथ एक फिल्म बना सकते हैं, लेकिन दबाव से बचने के लिए उन्हें निर्देशित नहीं करना चाहते हैं।

खुद को मानते हैं भाग्यशाली

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक निर्देशक ने कहा, 'मैं सलमान के साथ फिल्म नहीं बनाना चाहता।' उन्होंने कहा कि वह खुद को 'बहुत भाग्यशाली' मानते हैं कि वह उन लोगों को चुन सकते हैं जिनके साथ वह काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं सभी से कहता हूं, जॉन, अक्षय की फिल्में बिग बजट की होती हैं और मुझे नहीं पता कि 600-800 करोड़ रुपये कमाने वाली फिल्म कैसे बनाई जाती है।'

शाहरुख और अजय के लिए कही ऐसी बात

निर्देशक ने कहा कि वे शाहरुख खान, सलमान खान, अक्षय कुमार और अजय देवगन बहुत बड़े सितारे हैं। उनके फैंस को संतुष्ट करने के लिए उन नंबरों की बहुत जरूरत होती है और इतने बड़े बजट की फिल्में बनाना मुझे तो नहीं आता।

शाहरुख खान के साथ नहीं करेंगे काम

शाहरुख को लेकर निर्देशक ने कहा, 'कल हो न हो' के कारण हम दोनों के बीच काम को लेकर अच्छा रिलेशनशिप है। निखिल ने कहा कि उनके पास फिलहाल शाहरुख के लिए कुछ खास काम नहीं है। मुझे जब तक नहीं लगेगा कि 'मैं कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम' और 'कल हो न हो' जैसी फिल्मों को बीट कर सकता हूं, तब तक उनके साथ काम नहीं करूंगा।

लव स्टोरी से शाहरुख को है नफरत

निखिल आडवाणी ने कहा कि शाहरुख मेरे साथ फिल्म करना चाहते थे, ऐसे में मुझे उनके साथ 'कल हो न हो' जैसी फिल्म में काम करने का मौका मिला। निखिल ने कहा कि उन्हें मार धाड़ ही करना था, उन्हें लव स्टोरी करना बिल्कुल पसंद नहीं था। उन्होंने अब डॉन और पठान में ऐसा ही काम किया, जैसा उन्हें पसंद था। निर्देशक निखिल आडवाणी को 'हीरो', 'बाटला हाउस', 'वेदा', 'सलाम ए इश्क', 'कल हो न हो' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

साइंस-फिक्शन बैदा का फर्स्ट लुक आउट

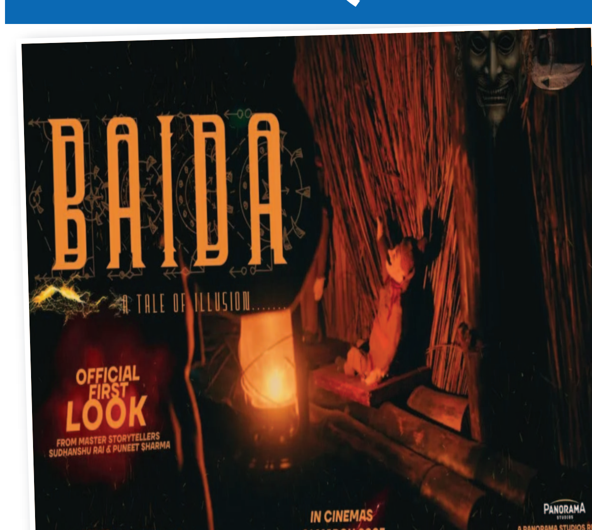

अपकमिंग साइंस-फिक्शन सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म 'बैदा' के फर्स्ट लुक को मेकर्स ने आउट कर दिया। फिल्म का पोस्टर दर्शकों को एक दिलचस्प दुनिया में ले जाने का वादा करती है, जिसमें खाली पड़े घर, लालटेन, जंगल और भ्रम का जाल नजर आया। निर्देशक सुधांशु राय की एक लोकप्रिय ऑडियो स्टोरी पर बनी फिल्म का बैकग्राउंड भारत के हिंदी हार्टलैंड से है।

फिल्म का निर्देशन सुधांशु राय और पुनीत शर्मा ने किया है। साइंस-फिक्शन थ्रिलर फिल्म में शोभित सुजय, मनीषा राय, तरुण खन्ना, सौरभ राज जैन, हितेन तेजवानी, अखलाक अहमद आज़ाद और प्रदीप काबरा हैं।

फिल्म के बारे में बात करते हुए पुनीत शर्मा ने कहा, बैदा भ्रम की कहानी है, जिसमें सुधांशु का किरदार फिल्म में कई आयामों और समय-सीमाओं से होकर गुजरता है। जैसे ही वह किसी अंजान जगह की ओर बढ़ता है, उसकी मुलाकात किसी भ्रमित व्यक्ति से होती है और फिर एक ऐसा अनुभव शुरू होता है जो भारतीय दर्शकों के सामने पहले कभी नहीं आया। अकल्पनीय दुनिया की कहानी 'बैदा' में दो घंटे का मनोरंजन है, जिसे केवल बड़े पर्दे पर ही अनुभव किया जा सकता है और यह दर्शकों को बांधे रखता है। फिल्म के संपादक प्रतीक शेट्टी हैं, जो कंतारा और 777 चार्ली के लिए जाने जाते हैं।

सुधांशु ने कहा, एक काल्पनिक दुनिया पर बनी फिल्म 'बैदा' मेरे प्रशंसकों से वह वादा पूरा करती है, जिसे मैंने निभाने की बात कही थी। मैंने उनसे ऐसी ही फिल्म लाने का वादा किया था। 'बैदा' एक जासूस की कहानी है जो समय और मृत्यु के चक्र को चुनौती देने वाले एक व्यक्ति की अंधेरी और भयावह दुनिया में फंस जाता है। उम्मीद है कि दर्शकों को 'बैदा' की अनोखी और मायावी दुनिया पसंद आएगी। 'बैदा' सेंट्स आर्ट के बैनर तले बनाई गई है। यह सिनेमाघरों में 21 मार्च को रिलीज होगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail|com